सच्चाई से रूबरू
# स्मार्ट हलचल
वर्ष-10 | अंक-361 | जयपुर, शुक्रवार, 26 जून 2026
RAJHIN/2016/70516
Bhilwara/171/2026-2028

## वेनेजुएला में तबाही वाला भूकंप!

# वेनेजुएला में 39 सेकेंड में भूकंप के 2 बड़े झटके

## हजारों मौतें, कई घायल, गिनती जारी

कराकस, वेनेजुएला

वेनेजुएला में 39 सेकेंड में दो ताकतवर भूकंप से तबाही मच गई है। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में बुधवार शाम 6.04 बजे 7.2 और 6.05 बजे 7.5 तीव्रता के दो झटके आए। उस समय भारत में गुरुवार तड़के 3.34 और 3.35 बजे थे। लोगों ने बताया कि भूकंप के बाद 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा। 20 ऑफ्टरशॉक भी दर्ज किए गए हैं। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक अब तक 164 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 971 घायल हैं। ये भूकंप ऐसे दिन आए, जब पूरे देश में राष्ट्रीय अवकाश था। 1821 में स्पेन के खिलाफ आजादी की लड़ाई की ऐतिहासिक जीत की सालगिरह पर स्कूल और दफ्तर बंद थे। इसी वजह से ज्यादातर लोग अपने घरों में मौजूद थे। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक, भूकंप से 10 हजार से ज्यादा लोगों के मारे जाने की 44% आशंका है। वहीं, 30% आशंका एक लाख लोगों के जान गंवाने की भी है। दोनों भूकंप राजधानी कराकस से करीब 290 किलोमीटर पश्चिम में आए। इससे कई शहरों में इमारतें गिर गईं या खतरनाक तरीके से झुक गईं। कराकस एयरपोर्ट की छत का कुछ हिस्सा गिर गया। इससे धूल का गुबार उठता दिखाई दिया।

## 60 सेकेंड तक शहर हिलता रहा

## एक्सपर्ट बोले- इतने कम समय में 2 भूकंप के झटके सामान्य नहीं

डरहम यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर मार्क एलन ने सीएनएन को बताया कि, वेनेजुएला में आए दोनों बड़े भूकंप इतने कम समय के अंतर पर आना सामान्य नहीं है। उन्होंने कहा हो सकता है कि पहले भूकंप से जमीन के नीचे मौजूद एक फॉल्ट लाइन खिसकी हो। इससे दूसरी फॉल्ट लाइन पर दबाव बढ़ गया और कुछ ही देर बाद वहां भी भूकंप आ गया। उन्होंने चेतावनी दी कि राजधानी कराकस और उसके आसपास के इलाकों में अभी और आफ्टरशॉक आने का खतरा बना हुआ है। भूकंपों के बाद जमीन के नीचे मौजूद स्थानीय फॉल्ट लाइनों पर दबाव बढ़ गया है, जिससे आने वाले दिनों में फिर से तेज झटके महसूस हो सकते हैं।

### देशभर में स्कूल बंद, कुछ स्कूलों को राहत शिविर बनाया

वेनेजुएलाई सरकार ने देशभर के स्कूलों को फिलहाल बंद रखने का आदेश दिया है। एजुकेशन मिनिस्ट्री ने कहा है कि कुछ स्कूलों को राहत शिविर के तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा। यहां भूकंप से प्रभावित परिवारों को रखा जाएगा।

### भूकंप के बाद कराकस में बिजली गुल, मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद

वेनेजुएला में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद राजधानी कराकस के कई इलाकों में बिजली गुल हो गई है। एहतियात के तौर पर कराकस और पड़ोसी मिरांडा राज्य में मेट्रो और ट्रेन सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। गुरुवार सुबह कराकस के पश्चिमी हिस्से के कई इलाकों में अंधेरा छाया रहा। भूकंप के झटकों से कई पानी की पाइपलाइनें फट गईं, जिससे सड़कों पर पानी भर गया।

प्रशासन प्रभावित इलाकों में बिजली और पानी की व्यवस्था बहाल करने के साथ-साथ राहत एवं बचाव अभियान चला रहा है। कई जगहों पर क्षतिग्रस्त इमारतों की जांच और मलबा हटाने का काम भी जारी है।

### प्रेसिडेंट की अपील- लापता लोगों, टूटे घरों की जानकारी वेनएप पर दें

वेनेजुएला की राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज ने लोगों से अपील की है कि लापता लोगों और टूटे घरों की जानकारी वेनएप पर दें। वेनेजुएला का वेनएप थोड़ा विवादित रहा है। यह पहले सामाजिक और राजनीतिक रूप से नियंत्रण रखने के रूप में इस्तेमाल होता था।

वेनएप 2022 में लोगों की शिकायतों के मकसद से लॉन्च किया गया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने 2024 में इसका इस्तेमाल सरकार विरोधी आंदोलनों की जानकारी लेने में किया। इसके बाद एप को गूगल प्ले स्टोर और एपल iOS ने हटा दिया था।

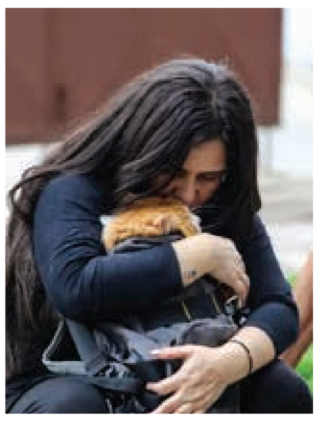

### राजधानी कराकस में लोगों ने सड़कों पर रात बिताई

भूकंपों के बाद राजधानी कराकस में सैकड़ों लोगों ने पूरी रात सड़कों पर बिताई। कई लोगों के घर भूकंप में क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि बड़ी संख्या में लोग लगातार आ रहे आफ्टरशॉक के डर से अपने घरों में लौटने की हिम्मत नहीं जुटा सके। कई परिवार बच्चों और जरूरी सामान के साथ खुले मैदानों और सड़कों पर रातभर डटे रहे। लोगों को आशंका है कि क्षतिग्रस्त इमारतें किसी भी समय गिर सकती हैं। भूकंप के बाद लगातार आफ्टरशॉक महसूस किए जा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से क्षतिग्रस्त इमारतों से दूर रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

### वेनेजुएला में आए भूकंप पर पीएम मोदी ने जताया दुख

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वेनेजुएला में आए भूकंप और उससे हुई तबाही पर गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने इस आपदा को लेकर अपनी संवेदनाएं साझा की हैं। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा 'वेनेजुएला में आए भूकंप से हुई तबाही से मुझे गहरा दुख हुआ है। भारत के लोगों की ओर से, मैं वेनेजुएला की सरकार और वहां के लोगों के प्रति, और खासकर उन परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। हम घायलों के जल्द ठीक होने की प्रार्थना करते हैं और इस मुश्किल समय में प्रभावित सभी लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। भारत हर संभव मदद देने के लिए तैयार है।

### अमेरिकी देशों के संगठन का मदद का भरोसा

ऑर्गनाइजेशन ऑफ अमेरिकन स्टेट्स के महासचिव अलबर्ट रामदीन ने वेनेजुएला में आए भूकंप को लेकर दुख जताया। उन्होंने कहा कि अभी भी हमें काफी नुकसान की जानकारी नहीं है, लेकिन पूरे गोलार्ध का समुदाय वेनेजुएलाई समुदाय के साथ खड़ा है। हम हर तरह की मदद करेंगे।

### दक्षिण अमेरिका के 8 देश मदद के लिए आगे आए

दक्षिण अमेरिका के 8 देशों ने वेनेजुएला हरसंभव मदद का भरोसा दिया है। ब्राजील, अर्जेंटीना, पेरू, मेक्सिको, कोलंबिया, बोलीविया, कोस्टा रिका और एल सल्वाडोर ने संवेदना व्यक्त करते हुए राहत और बचाव कार्य में सहयोग की पेशकश की है।

इन देशों की सरकारों ने अलग-अलग बयान जारी कर भूकंप में जान गंवाने वालों के प्रति शोक व्यक्त किया। साथ ही कहा कि जरूरत पड़ने पर वे राहत सामग्री, मानवीय सहायता और रेस्क्यू टीम उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं।

### जापान में भी 7 तीव्रता का भूकंप, लेकिन तबाही क्यों नहीं

भूकंप में जान-माल का नुकसान सिर्फ उसकी तीव्रता से तय नहीं होता। यह इस बात पर भी निर्भर करता है कि उसका केंद्र जमीन की सतह से कितनी गहराई पर है और वह घनी आबादी वाले इलाके के कितना करीब है।

भूकंप बहुत गहराई में आता है, तो उसकी ताकत ऊपर जमीन तक पहुंचते-पहुंचते काफी हद तक कमजोर हो जाती है। इसके विपरीत, यदि भूकंप की गहराई कम हो और उसका केंद्र किसी घनी आबादी वाले शहर या कस्बे के पास हो, तो कम तीव्रता का भूकंप भी भारी तबाही और बड़ी संख्या में मौतों का कारण बन सकता है। यही वजह है कि कई बार 7 या 8 तीव्रता के गहरे समुद्री भूकंपों में कोई बड़ा नुकसान नहीं होता, जबकि 6-7 तीव्रता का उथला भूकंप हजारों लोगों की जान ले सकता है। इस साल जापान, मलेशिया और टोंगा में 7 तीव्रता से ज्यादा के भूकंप आए थे, लेकिन ये बेहद गहराई में और आबादी से दूर होने के कारण बहुत ज्यादा असर नहीं डाल पाए।

### 'अर्थक्वेक डबलट' क्या है

दोनों भूकंप बहुत कम समय और बहुत कम दूरी के भीतर आए। वैज्ञानिक ऐसी घटना को अर्थक्वेक डबलट कहते हैं। इसमें दो बड़े भूकंप लगभग एक ही इलाके में और कुछ सेकंड या मिनट के अंतराल पर आते हैं। ऐसे मामलों में दूसरा भूकंप अक्सर पहले से अधिक नुकसान पहुंचा सकता है, क्योंकि पहली घटना से कमजोर हो चुकी इमारतें दूसरे झटके में ढह जाती हैं।

### 27 साल पहले हुए भूस्खलन में ला ग्वाइरा शहर में 15 हजार लोग मारे गए थे

बुधवार को आए दोनों शक्तिशाली भूकंपों का सबसे ज्यादा असर ला ग्वाइरा शहर में दिखाई दिया। यह वेनेजुएला की राजधानी कराकस के पास स्थित एक पोर्ट सिटी है। साल 1999 में यहां मूसलाधार बारिश के बाद भीषण भूस्खलन हुआ था। पहाड़ियों पर बनी बस्तियां मलबे में दब गई थीं और कम से कम 15 हजार लोगों की मौत हुई थी। उस समय यह हादसा तत्कालीन राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज के सत्ता संभालने के कुछ ही महीनों बाद हुआ था। अभी यह जो हादसा हुआ है वह डेल्सी रोड्रिगेज के कार्यवाहक राष्ट्रपति बनने के कुछ महीने बाद हुआ है।

## निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 4 की मौत,21 का रेस्क्यू; सेना भी बचाव में जुटी

कोलकाता (एजेंसी)। दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12:07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 21 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है। अभी भी 40 से ज्यादा लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इस वजह से मौत का आंकड़ा बढ़ सकता है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस के साथ एनडीआरएफ और सेना के जवान भी रेस्क्यू कर रहे हैं। गैस कटर से लोहे के पोल को काटा जा रहा है। मलबे और लोहे की रॉड को हटाने के लिए क्रेन मंगाई गई है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, हादसे के वक्त गोदाम में कांक्रीट ढलाई का काम चल रहा था।

**मेरा पैर काट लो लेकिन मुझे बचा लो**

हादसे के बाद बचाव कार्य के दौरान एक युवक अंकित सिंह ने मलबे में फंसे एक मजदूर को ढूंढने में अहम भूमिका निभाई। उसने घायल मजदूर का पैर पकड़कर बचाव दल को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद रेस्क्यू टीम ने उसे बाहर निकालने का प्रयास तेज कर दिया। मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार–बार कह रहा था कि मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।

## राम मंदिर चंदा विवाद- भूपेश बघेल का आरोप, गाजी जैसी लूट मचाई जा रही

रायपुर (एजेंसी)। राम मंदिर चंदे में कथित अनियमितताओं को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र पर प्रभु राम के नाम पर जनता को लूटने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने आरएसएस, वीएचपी और बजरंग दल की तुलना महमूद गज़नवी से कर कहा कि गजनवी ने सोमनाथ मंदिर को लूटा था, लेकिन अब ये संगठन राम मंदिर को लूट रहे हैं। कांग्रेस नेता बघेल ने देश में शिक्षा की बदहाली और किसानों की मुश्किलों पर बात की। उन्होंने कहा कि स्कूल बिना सुविधाओं के चल रहे हैं, जिससे बच्चों का भविष्य खतरे में है। किसानों को नकली खाद, खराब मौसम और बढ़ती डीज़ल-पेट्रोल कीमतों से जूझना पड़ रहा है, जिससे खेती महंगी हो रही है। इस बीच, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भी राम मंदिर चंदे में कथित हेराफेरी को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। यादव ने कहा कि इस मामले में जैसे-जैसे नई परतें खुल रही हैं, भाजपा सदस्यों और उनके सहयोगियों के बड़े गुनाहों की सच्चाई सामने आ रही है। उन्होंने आशंका जाहिर कि इन मामलों को जांच के बजाय दबाने की कोशिश की जाएगी।

## महाराष्ट्र विधानसभा में मराठी उच्चारण पर बवाल, स्पीकर ने जताया खेद

मुंबई (एजेंसी)। बुधवार को महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर ने मानसून सत्र के पहले दिन शोक संदेश पढ़ते समय मराठी शब्दों के गलत उच्चारण पर खेद जाहिर किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह गलती अनजाने में तकनीकी दिक्कतों और भाषण की स्पष्ट प्रिंटेड कॉपी न होने के कारण हुई थी, और उनका मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर नार्वेकर ने कहा, सोमवार को शोक संदेश पढ़ते वक्त कुछ तकनीकी दिक्कतों की वजह से मेरे द्वारा कुछ शब्द गलत बोल दिए गए। मेरे पास मौजूद स्पीच की प्रिंटेड कॉपी साफ नहीं थी। जो कुछ भी हुआ, वह अनजाने में हुआ। अगर इससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंची है, तब मैं खेद प्रकट करता हूं। मेरा मकसद किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं था। स्पीकर की यह सफाई महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे सहित कई लोगों से मिली तीखी आलोचना के बाद आई है। ठाकरे ने मशहूर प्लेबैक सिंगर आशा भोसले, सुमन कल्याणपुर और पूर्व विधायकों के निधन पर शोक संदेश पढ़ते समय मराठी भाषा के गलत उच्चारण को लेकर नार्वेकर की कड़ी निंदा की थी। ठाकरे ने विशेष रूप से इस बात पर आपत्ति जाहिर की थी कि नार्वेकर ने मशहूर गायक-अभिनेता दीनानाथ मंगेशकर (आशा भोसले के पिता) का नाम दीनदयाल मंगेशकर बोला, और सदन में किसी भी विधायक ने इस पर आपत्ति नहीं की। उन्होंने इसे आशा भोसले के लिए नहीं, बल्कि मराठी भाषा के लिए शोक प्रस्ताव करार दिया था। ठाकरे ने कहा था कि अगर नार्वेकर ने यह प्रस्ताव स्वाहिली या हिब्रू में भी दिया होता, तो भी कोई खास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि उनकी मराठी किसी को समझ ही नहीं आ रही थी।

## भरत तिवारी एनकाउंटर- बाबा बागेश्वर ने कहा, जो हुआ सही नहीं हुआ

भोजपुर (एजेंसी)। बिहार के भोजपुर में 17 जून को हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बाबा बागेश्वर धीरेंद्र शास्त्री ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने घटना को सही नहीं बताया है और इसकी निष्पक्ष जांच की मांग की है। बाबा बागेश्वर ने कहा कि उन्हें तिवारी के बारे में जानकारी मिली है, वह एक हिंदू और सनातनी युवक था जो हिंदुत्व और सनातन के लिए लड़ता था। उन्हें पता चला है कि भरत ने प्रशासन के सामने

सरेंडर किया था, लेकिन इसके बाद भी पुलिस ने उस पर गोली चला दी। धीरेंद्र शास्त्री ने पूरे मामले की गहन जांच की वकालत कर कहा कि अगर भरत अपराधी था, तब उस न्यायपालिका से दंड मिलना चाहिए था। उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मामले की जांच करने का आग्रह कर कहा कि भगवान ने चाहा तब वह भविष्य में भरत तिवारी के परिवार से मिलेंगे। भरत के परिजनों ने भी पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं, उनका कहना है कि यह एनकाउंटर नहीं बल्कि एक सुनियोजित हत्या थी, क्योंकि भरत ने हथियार फेंककर आत्मसमर्पण किया था। भरत की मां की शिकायत पर जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा और शाहपुर थानाध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। इस घटना के बाद से क्षेत्र में रोष व्याप्त है, भरत के गांव में परिजनों और आसपास के ग्रामीणों ने महापंचायत आयोजित कर न्याय की मांग की। राजद सांसद सुधाकर सिंह ने भी मामले में गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि एनकाउंटर के लिए पटना से एसटीएफ की टीम भेजी गई थी और उन्होंने सीधे एडीजी कुंदन कृष्णा पर सवाल उठाकर पूछा कि एसटीएफ को भोजपुर किसने भेजा था। सांसद ने यह भी संकेत दिया कि एसटीएफ भेजने के पीछे मुख्यमंत्री का नाम भी हो सकता है, क्योंकि वाहवाही वही ले रहे हैं। इस फर्जी एनकाउंटर को लेकर अब कानूनी दांवपेंच जारी है।

# सुवेंदु के बयान से टीएमसी में हलचल, सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब होगा

### ममता पर तंज, जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, वह कैसी जननेता

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेर सरकार और पूर्व सीएम ममता बनर्जी पर कड़ा प्रहार कर भ्रष्टाचार, सरकारी धन के दुरुपयोग और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने घोषणा की कि उनकी सरकार का मंत्र केवल सबका साथ, सबका विकास नहीं, बल्कि सबका हिसाब भी होगा। सीएम अधिकारी ने दावा किया कि जनता ने तृणमूल कांग्रेस को सबक सिखाया है और अब पिछली सरकार के दौरान हुए हर भ्रष्टाचार की गहन जांच होगी।

मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने विधानसभा में दस्तावेज दिखाते हुए आरोप लगाया कि बंगाल ग्लोबल बिजनेस समिट के नाम पर करी 324 करोड़ 70 लाख रुपये फिक्की को हस्तांतरित किए थे, जिस पर उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकारी धन इस तरह निजी संस्थाओं को दिया जा सकता है। उन्होंने लक्ष्मीर भंडार, उज्ज्वला योजना, वृद्धावस्था पेंशन, शिक्षाश्री, मेधाश्री, मनरेगा और अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाओं में भारी अनियमितताओं का जिक्र कर पूछा कि आखिर जनता के पैसे को किसने लूटा। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और वर्तमान सत्र में ऐसा विधेयक लाएगा, जिसके तहत दोषियों की संपत्तियां जब्त कर उनकी नीलाम कर सके। उन्होंने हरिश मुखर्जी रोड और हरिश चटर्जी स्ट्रीट स्थित आलीशान मकानों में बेघर लोगों को बसाने की बात कहकर ममता और अभिषेक बनर्जी के आवासों की ओर इशारा किया।

सीएम अधिकारी ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को भ्रष्टाचार का मुख्य सूत्रधार बताया। उन्होंने बीरभूम की पत्थर खदानों का उदाहरण देकर कहा कि उनकी सरकार ने केवल एक महीने में 83 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया है, जबकि पिछली सरकार पूरे वर्ष में केवल साठ करोड़ रुपये का राजस्व दिखाती थी। उन्होंने आरोप लगाया कि शेष धन कैमैक्स स्ट्रीट के जरिए दुबई पहुंचाया जाता था, और चुनाव से पहले जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एक ठेकेदार ने आइपैक को 10 करोड़ रुपये दिए थे। मुख्यमंत्री सुवेंदु ने ममता के राजनीतिक भविष्य पर टिप्पणी कर कहा कि वह अब कभी सत्ता में नहीं लौटेंगी और उनका राजनीतिक अध्याय समाप्त हुआ है। उन्होंने नंदीग्राम और भवानीपुर में उनकी हार का जिक्र कर तंज कसा कि जो नेता अपने ही बूथ में हार जाए, क्या जननेता माना जा सकता है?

इस बीच, पश्चिम बंगाल सरकार के एक अन्य फैसले ने नया राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा कर दिया है। राज्य सरकार ने घोषणा की है कि कोलकाता नगर निगम क्षेत्र के सरकारी और सहायता प्राप्त विद्यालयों में मध्याह्न भोजन योजना का संचालन अब इस्कॉन करेगा। इस फैसले के बाद स्पष्ट हो गया कि विद्यार्थियों को परोसे जाने वाले भोजन में अब अंडा शामिल नहीं होगा। इस्कॉन की अन्नमित्र फाउंडेशन के माध्यम से यह योजना लागू की जाएगी और लगभग एक लाख विद्यार्थियों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। इस्कॉन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि अंडे के स्थान पर सोया, राजमा, पनीर, दाल, बीन्स और अन्य शाकाहारी प्रोटीन स्रोत भोजन में शामिल किए जाएंगे, जो बच्चों को अंडों से मिलने वाले पोषण के बराबर या उससे अधिक लाभ देने वाले है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन ने आरोप लगाया कि बच्चों से पोषण छीना जा रहा है और उन पर जबरन शाकाहार थोपा जा रहा है, जिससे पश्चिम बंगाल की विविध भोजन पद्धतियों और बच्चों के पोषण पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि शुभेन्दु अधिकारी के मुख्यमंत्री बनने के बाद पश्चिम बंगाल में प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तेजी से बदलाव दिखाई देने लगे हैं। भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है और कट मनी तथा भाइपो टैक्स जैसी अवैध वसूलियों पर पूरी तरह रोक लग चुकी है। अवैध घुसपैठियों के खिलाफ अभियान तेज हुआ है तथा विभिन्न इलाकों में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई भी चल रही है। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सरकारी खजाने का एक-एक पैसा केवल जनता की भलाई और विकास कार्यों के लिए खर्च होगा।

## सीएम मान पर सियासी घेराबंदी : वीडियो विवाद में फर्जी रिपोर्ट का खुलासा

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर सिख गुरुओं के कथित अपमान से जुड़े वीडियो विवाद के बाद भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस ने उनके इस्तीफ़े की मांग कर रही है। यह मांग गुरुग्राम पुलिस द्वारा दो लोगों को वीडियो से संबंधित एक फर्जी फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में गिरफ़्तार करने के बाद सामने आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि मूल विवादित वीडियो नकली और एआई–निर्मित था। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने सीएम मान को सत्ता के नशे में चूर बताया। उन्होंने कहा कि अकाल तख्त साहिब द्वारा वीडियो को नकली और एआई–निर्मित बताए जाने के बाद, मान ने एक झूठी रिपोर्ट पेश की। चुघ ने उन्हें देशद्रोही घोषित कर सीएम पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार न होने की बात कही। वहीं पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने भी मान के इस्तीफ़े और सार्वजनिक माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा गुरुग्राम में बैठक कर अपने एजेंडे के हिसाब से रिपोर्ट तैयार करवाना अकाल तख्त के गुरु द्रोही करार देने के फ़ैसले की पुष्टि करता है। गुरुग्राम के एसीपी क्राइम नवीन शर्मा ने पुष्टि की कि पुलिस ने फ़ॉरेंसिक रिपोर्ट में हेरफेर करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ़्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार, इन आरोपियों को वीडियो में हेरफेर के लिए पंजाब के अधिकारियों से 10 लाख रुपये मिले थे।

## नीट विवाद:मल्लिकार्जुन खड़गे ने धर्मेंद्र प्रधान पर साधा निशाना, इस्तीफे की मांग

**नई दिल्ली(एजेंसी)।** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर नीट पेपर लीक मामले में छात्रों के विरोध प्रदर्शनों पर उनकी कथित टिप्पणियों को लेकर तीखा हमला बोला। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने केंद्र सरकार पर लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद करने और परीक्षा में गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने वालों का अपमान करने का आरोप लगाकर केंद्रीय मंत्री प्रधान के तत्काल इस्तीफे की मांग की।

खड़गे ने दावा किया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल के दौरान 90 पेपर लीक हुए हैं, जिससे लाखों छात्रों का भविष्य तबाह हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक विवाद के कारण 20 छात्रों ने आत्महत्या की है। खड़गे ने कड़े शब्दों में कहा, 90 बार पेपर लीक हुए हैं, लाखों छात्रों का भविष्य बर्बाद हो गया है। लेकिन मोदी सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपनी कुर्सी से चिपके हुए हैं और इंटरव्यू देकर छात्रों की आवाज़ को आतंकवादी बता रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार सवाल उठाने वाले किसी भी व्यक्ति को देश-विरोधी करार देती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पहले प्रदर्शनकारी किसानों को आंदोलन-जीवी और परजीवी कहे जाने का भी ज़िक्र किया। कांग्रेस नेता खड़गे ने कहा कि छात्रों का आंदोलन पूरे देश में ज़ोर पकड़ेगा और मोदी सरकार के मंत्री प्रधान को निश्चित रूप से इस्तीफा देना होगा। इससे पहले, एक साक्षात्कार में प्रधान ने जंतर-मंतर पर उनके इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों को विघटनकारी तत्वों की बी-टीम बताया था। उन्होंने कहा था कि जो लोग लोकतंत्र में नकार दिए गए थे, वे अब भेष बदलकर आए हैं और सिस्टम के पीछे पड़े हैं। वे उन लोगों के लिए नारे लगाते हैं जो देश को बांटना चाहते हैं।

# शपथ लेते वक्त देवी-देवता का नाम नहीं ले सकते

**–केरल हाईकोर्ट ने कहा– कानून में तय प्रारूप से बाहर नहीं जा सकते जनप्रतिनिधि**

**–गलत शपथ लेने वालों को दोबारा शपथ का निर्देश**

**कोच्चि(एजेंसी)।** केरल हाईकोर्ट ने स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की शपथ को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि शपथ लेते समय कानून में निर्धारित शब्दों से बाहर नहीं जाया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि शपथ केवल 'ईश्वर' के नाम पर ली जा सकती है या फिर बिना ईश्वर का नाम लिए सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा की जा सकती है। इसमें किसी देवी-देवता, भारत माता, राजनीतिक संगठन, शहीद या किसी व्यक्ति का नाम जोड़ना कानूनन मान्य नहीं है।

हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति पीवी कुन्हीकृष्णन की एकल पीठ ने यह फैसला तिरुवनंतपुरम नगर निगम और पलक्कड़ जिले की वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान दिया। अदालत ने कहा कि शपथ का प्रारूप संबंधित कानूनों में स्पष्ट रूप से निर्धारित है और उसमें अपनी ओर से कोई भी अतिरिक्त शब्द जोड़ना वैध नहीं माना जा सकता। मामला उस समय सामने आया जब तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 20 पार्षदों ने शपथ के दौरान विभिन्न हिंदू देवी-देवताओं, 'भारतम्बा', 'भारत माता', गुरुदेव और राजनीतिक आंदोलनों के शहीदों के नाम लिए। वहीं, वडक्कनचेरी ग्राम पंचायत के एक सदस्य ने 'ईश्वर की कृपा से उम्मन चांडी के नाम पर' शपथ ली थी।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि केरल म्युनिसिपैलिटी एक्ट और पंचायत राज एक्ट के तहत शपथ लेने के केवल दो वैधानिक तरीके हैं। पहला, ईश्वर के नाम पर शपथ लेना और दूसरा, ईश्वर का उल्लेख किए बिना सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा करना। कोर्ट ने कहा कि 'ईश्वर' शब्द का अर्थ किसी विशेष देवी-देवता, व्यक्ति, संगठन या विचारधारा तक सीमित नहीं किया जा सकता।

हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि शपथ महज एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संविधान और जनता के प्रति एक गंभीर वचन है। इसलिए शपथ वही मानी जाएगी जो कानून में निर्धारित प्रारूप के अनुसार ली गई हो।

हालांकि अदालत ने संबंधित जनप्रतिनिधियों को राहत देते हुए उनकी सदस्यता समाप्त नहीं की। कोर्ट ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम के पार्षदों और वडक्कनचेरी पंचायत सदस्य को चार सप्ताह के भीतर दोबारा वैधानिक तरीके से शपथ लेने का निर्देश दिया है।

अदालत ने यह भी माना कि संबंधित जनप्रतिनिधियों ने संभवतः यह मानकर ऐसा किया कि उनका तरीका वैध है, इसलिए उन पर कोई दंडात्मक कार्रवाई या जुर्माना नहीं लगाया जाएगा। साथ ही कोर्ट ने धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक सुधारक नारायण गुरु की शिक्षाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि लोग भगवान को अलग-अलग नामों से पुकार सकते हैं, लेकिन कानूनी शपथ केवल निर्धारित प्रारूप में ही ली जा सकती है।

## तकनीकी खराबी : एयर इंडिया का विमान पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में घुसकर लौटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली से अमृतसर जा रहा एयर इंडिया का विमान तकनीकी खराबी के कारण रास्ता भटककर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में जा घुसा। पाकिस्तानी एयर ट्रैफिक अथॉरिटी (एटीसी) की चेतावनी के बाद विमान वापस भारतीय सीमा में लौट आया। अमृतसर एयरपोर्ट पर ट्रैफिक अधिक होने के चलते विमान को तुरंत लैंडिंग की अनुमति नहीं मिली और विमान को दिल्ली वापस भेजा गया, जिसके बाद करीब चार घंटे की देरी से वह मंगलवार तड़के अमृतसर पहुंचा।

एयरपोर्ट अथॉरिटी के अनुसार, एयरबस एआई–321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 18 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आने से विमान अपने निर्धारित मार्ग से भटक गया। रात 10 बजकर 30 मिनट पर विमान को अमृतसर में लैंड होना था, लेकिन यह पाकिस्तान के एयरस्पेस में पहुंच गया। इसके बाद विमान के पायलट को पाकिस्तान एटीसी से मिली चेतावनी के बाद ही इस गलती का एहसास हुआ। इसके तुरंत बाद पायलट ने यू–टर्न लेकर विमान को वापस भारतीय हवाई क्षेत्र में ले आया। हालांकि, तब तक अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए ट्रैफिक बढ़ चुका था, जिससे विमान को उतरने की परमिशन नहीं मिली। ऐसी स्थिति में, एयरपोर्ट कंट्रोल रूम के निर्देश पर विमान को वापस दिल्ली भेजा गया, जहां उसकी सुरक्षित लैंडिंग हुई। दो घंटे बाद दुबारा अनुमति मिलने पर विमान ने अमृतसर के लिए फिर से उड़ान भरी और मंगलवार तड़के 2 बजकर 20 मिनट पर, करीब चार घंटे की देरी से, सुरक्षित रूप से अमृतसर एयरपोर्ट पर उतरा।

## महुआ बोलीं- मैं पूरी रात रोई तो सिर्फ शुभेंदु ने दिया मेरा साथ

### –महुआ के बयान से ममता की बढ़ी चिंता

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस समय तृणमूल कांग्रेस के भीतर और बाहर दोनों जगह उथल-पुथल मची हुई है। विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद ममता बनर्जी इन दिनों कई मुश्किलों का सामना कर रही हैं। पार्टी के भीतर बागियों की झड़ी लगी है, जहां हाल ही में ऋतब्रत बनर्जी की अगुवाई में कुछ नेताओं ने ममता बनर्जी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से बेदखल करने की घोषणा तक कर दी। ऐसे मुश्किल दौर में, टीएमसी की फायरब्रांड नेता और ममता की सबसे करीबी सांसदों में गिनी जाने वाली महुआ मोइत्रा ने एक ऐसा बयान दिया है, जिसने मुख्यमंत्री की चिंता बढ़ा दी है। महुआ मोइत्रा ने बीते 22 जून को एक इंटरव्यू में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की जमकर तारीफ की है। मौजूदा समय में महुआ और शुभेंदु एक-दूसरे के धुर विरोधी माने जाते हैं, ऐसे में उनका यह बयान राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। महुआ ने शुभेंदु को एक अच्छा दोस्त बताया और पुराने दिनों को याद किया जब शुभेंदु ने उनकी मदद की थी। महुआ कहती हैं, शुभेंदु मेरे अच्छे दोस्त हैं। जब हम एक पार्टी में थे तो उन्होंने मेरा काफी साथ दिया।

उन्होंने याद किया कि जब वह करीमपुर से चुनाव लड़ी थीं, तो सिर्फ शुभेंदु ही उनके लिए प्रचार करने आए थे और उन्हें हर तरह की मदद भेजी थी।

महुआ ने 2014 की घटना का भी जिक्र किया, जब उन्हें लोकसभा का टिकट मिलने वाला था लेकिन नहीं मिला, तब केवल शुभेंदु अधिकारी ही उनके साथ खड़े थे। महुआ ने बताया कि शुभेंदु ने उनसे कहा था, नहीं बहन, मैं हूं न। महुआ इसे भावनात्मक कनेक्शन बताती हैं, हालांकि वह स्वीकार करती हैं कि आज वे अलग-अलग पार्टी में हैं और उनकी बात नहीं होती। यह बयान ऐसे समय में आया है जब शुभेंदु अधिकारी तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम चुके हैं और ममता के कट्टर आलोचक बन गए हैं। शुभेंदु दिसंबर 2020 में टीएमसी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे।

महुआ मोइत्रा साल 2016 में पश्चिम बंगाल की करीमपुर विधानसभा सीट से अपना पहला चुनाव लड़ी थीं और उसमें विजयी भी हुई थीं। उस समय शुभेंदु अधिकारी टीएमसी के एक कद्दावर संगठनकर्ता और नदिया जिले के पार्टी पर्यवेक्षक थे। महुआ उसी दौर की बात कर रही थीं जब संगठन के अन्य नेताओं से पर्याप्त सहयोग न मिलने पर शुभेंदु अधिकारी ने जमीन पर उतरकर उनके लिए चुनाव प्रचार किया था। इसी तरह, 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले जब महुआ मोइत्रा कृष्णानगर सीट से चुनाव लड़ना चाहती थीं और टिकट मिलने में संशय था, तब वह भावुक हो गई थीं। उस समय भी शुभेंदु ने एक सीनियर सहकर्मी के नाते उन्हें ढांढस बंधाया था। बाद में महुआ को कृष्णानगर से टिकट मिला और वह जीतकर संसद पहुंचीं। महुआ के इन बयानों को ममता बनर्जी की मुश्किलें बढ़ाने वाला माना जा रहा है, खासकर ऐसे समय में जब पार्टी में एकता की कमी महसूस की जा रही है।

## सिक्किम में बारिश का कहर, भूस्खलन से पश्चिमी जिले का संपर्क टूटा

**–ग्यालशिंग–लेगशिप मार्ग कई जगहों पर ध्वस्त, लगातार बारिश से राहत कार्य प्रभावित**

**गंगटोक (एजेंसी)।** सिक्किम में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पश्चिमी सिक्किम में कई स्थानों पर हुए भूस्खलन के कारण ग्यालशिंग-लेगशिप मार्ग पूरी तरह बंद हो गया है, जिससे पश्चिम सिक्किम जिला मुख्यालय का राज्य के अन्य हिस्सों से संपर्क टूट गया है।

पिछले 24 घंटों के दौरान ग्यालशिंग में 95.2 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के कारण पहाड़ियों से मलबा और बड़ी-बड़ी चट्टानें सड़कों पर आ गिरीं, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई। प्रशासन ने लोगों से अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

जिलाधिकारी तेनजिंग डेंजोंगपा ने मीडिया को जानकारी दी, कि मंगलवार रात करीब नौ बजे भूस्खलन की सूचना मिली थी। सबसे बड़ा भूस्खलन ग्यालशिंग शहर से लगभग दो किलोमीटर दूर ओमचुंग क्षेत्र में हुआ। इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद से मलबा हटाने का अभियान शुरू किया, लेकिन लगातार बारिश और खराब मौसम के कारण राहत कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ग्यालशिंग-लेगशिप हाईवे पर कम से कम तीन स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। इनमें ओमचुंग के पास मुख्य भूस्खलन क्षेत्र, उसके नीचे का हिस्सा तथा लेगशिप के निकट एक अन्य स्थान शामिल है। स्थानीय रहवासियों का कहना है कि हर वर्ष मानसून के दौरान इस मार्ग पर भूस्खलन की समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं निकाला जा सका है। ग्यालशिंग-लेगशिप सड़क पश्चिम सिक्किम के लिए जीवनरेखा मानी जाती है। इसी मार्ग से आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति, यात्री

परिवहन और आपातकालीन सेवाओं का संचालन होता है। सड़क बंद होने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि वैकल्पिक मार्गों के अभाव में जिले का संपर्क पूरी तरह प्रभावित हो गया है। लगातार हो रही बारिश को देखते हुए प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और प्रभावित क्षेत्रों में राहत एवं बचाव कार्य तेज करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना जताई है, जिससे भूस्खलन और जलभराव की घटनाओं का खतरा बना हुआ है।

# महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी, देश में दूसरे स्थान पर राज्य- एनसीआरबी रिपोर्ट

**मुंबई (एजेंसी)।** महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं। राज्य के विभिन्न हिस्सों से महिलाओं पर अत्याचार, छेड़छाड़ और दुष्कर्म की घटनाएं लगभग रोजाना सामने आ रही हैं। कई घटनाएं ऐसी हैं जिन्होंने पूरे समाज को झकझोर कर रख दिया है। सरकार द्वारा महिला सुरक्षा के लिए विभिन्न योजनाएं और कानून लागू किए जा रहे हैं, लेकिन बढ़ते अपराधों को देखकर यह सवाल उठने लगा है कि क्या ये उपाय केवल कागजों तक ही सीमित रह गए हैं। दरअसल हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें महाराष्ट्र महिलाओं पर अत्याचार के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस मुद्दे को लेकर विधानसभा में भी सवाल उठाया गया। एनसीआरबी की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार महाराष्ट्र में महिलाओं पर अत्याचार के कुल 47,954 मामले दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक राज्य महिला अपराध के मामलों में देश में दूसरे स्थान पर है। यह आंकड़ा राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2025 में बलात्कार के 8,643 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2024 में 7,940 मामले सामने आए थे। यानी एक वर्ष में दुष्कर्म की घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अलावा बच्चों के खिलाफ अपराधों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार 2025 में बाल यौन शोषण और अत्याचार के मामलों में 482 मामलों की वृद्धि हुई है, जो समाज और प्रशासन दोनों के लिए चिंता का विषय है। कोल्हापुर परिक्षेत्र में वर्ष 2024-25 के दौरान महिलाओं पर अत्याचार के 2,362 मामले तथा 4,485 छेड़छाड़ (विनयभंग) के मामले दर्ज किए गए हैं। राज्य में महिलाओं के खिलाफ सबसे अधिक अपराध इसी क्षेत्र में सामने आए हैं। वहीं, अहिल्यानगर जिले में वर्ष 2022 से 2025 के बीच नाबालिग लड़कियों के खिलाफ अत्याचार के 641 मामले दर्ज हुए हैं। इसके अलावा वर्ष 2026 के शुरुआती तीन महीनों में ही 41 नए मामले सामने आ चुके हैं। विधानसभा में इस विषय पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि बदलापुर और नसरापुर अत्याचार मामलों में अपराध दर्ज कर आरोपपत्र अदालत में प्रस्तुत कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सुरक्षा को लेकर गंभीर है और इस दिशा में कई कदम उठाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 51 भरोसा सेल, 58 फास्ट ट्रैक कोर्ट, दामिनी पथक, हेल्पलाइन सेवाएं तथा विशेष जांच दल सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही शक्ती कानून की विभिन्न धाराओं का अध्ययन कर नए आपराधिक कानूनों में आवश्यक संशोधन भी किए गए हैं। बहरहाल एनसीआरबी की रिपोर्ट ने महाराष्ट्र में महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। सरकार सुरक्षा उपायों का दावा कर रही है, लेकिन बढ़ते

अपराधों के आंकड़े स्थिति की गंभीरता को उजागर कर रहे हैं। बढ़ते अपराधों के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि महिला सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाने की जरूरत है। समाज और प्रशासन दोनों के सामने यह बड़ी चुनौती है कि महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षित वातावरण कैसे उपलब्ध कराया जाए।

# भीलवाड़ा पुलिस का महा-एक्शन: 5 लाख की फिरौती के लिए दोस्त का ही अपहरण करने वाले 'एलटीआर ग्रुप' के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर सिकंदर लॉटरी सहित 3 दबोचे

**गुलाबपुरा पुलिस ने 72 घंटे में घेराबंदी कर गैंग का किया पर्दाफाश; बेल्ट व लाठियों से बेरहमी से पीटकर सुनसान मकान में किया था बंधक, मुख्य सरगना के ठिकाने से अवैध पिस्टल बरामद**

स्मार्ट हलचल |भीलवाड़ा/गुलाबपुरा

जिला पुलिस अधीक्षक श्री सागर द्वारा आदतन अपराधियों और हार्डकोर बदमाशों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष धरपकड़ अभियान के तहत गुलाबपुरा थाना पुलिस ने एक बेहद सनसनीखेज अपहरण और फिरौती के मामले का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तकनीकी अनुसंधान और मुखबिर तंत्र की मदद से भीलवाड़ा शहर के कुख्यात 'एलटीआर ग्रुप' के दो हिस्ट्रीशीटरों सहित तीन वांछित आरोपियों को महज 72 घंटों के भीतर दबोचने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार बदमाशों ने अपने ही एक परिचित का अपहरण कर उसे सुनसान खेत में बंधक बनाया और परिजनों से 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी थी।

**दिल्ली से लौटते वक्त दोस्तों ने ही रची खूनी साजिश:**

पुलिस के अनुसार, पीड़ित वसीम पुत्र मोहम्मद मंसूरी (निवासी गुलजार नगर, भीलवाड़ा) ने महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान रिपोर्ट दर्ज कराई थी। वसीम अपने परिचित समीर पठान और लकी कायमखानी के साथ कार से दिल्ली गया था। 18 जून 2026 की रात करीब 12 बजे जब वे गुलाबपुरा के पास पहुंचे, तो कार में मौजूद समीर और लकी ने गहरी साजिश के तहत कुख्यात बदमाश सिकंदर रंगरेज उर्फ लॉटरी, आसिफ और अन्य 3-4 दोस्तों को फोन कर वहां बुला लिया। इन बदमाशों ने वसीम का जबरन अपहरण कर लिया और उसे कार में डालकर गंगापुर के पास एक सुनसान खेत में ले गए। वहां बदमाशों ने वसीम पर बेल्टों और लाठियों से जानलेवा हमला किया तथा उसके घरवालों को फोन कर 5 लाख रुपये की फिरौती लाने की धमकी दी। इसके बाद उसे कावांखेड़ा स्थित एक सुनसान मकान में बंधक बनाकर रखा गया।

**एसपी के निर्देश पर गठित विशेष टीम ने 72 घंटे में ढहाया नेटवर्क:**

वारदात की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य व पुलिस उप अधीक्षक वृत गुलाबपुरा सतीश मीणा के निकटतम सुपरविजन में गुलाबपुरा थानाधिकारी संजय कुमार (पु.नि.) के नेतृत्व में एक विशेष कमांडो टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने हाइवे के सीसीटीवी फुटेज और साइबर सेल की मदद से बदमाशों का पीछा किया। पुलिस के बढ़ते दबाव और सटीक घेराबंदी के चलते महज 72 घंटे में तीनों मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

**गिरफ्तार आरोपियों का खाका:**

पुलिस की गिरफ्त में आए आरोपी भीलवाड़ा के नामी बदमाश हैं: सिकन्दर उर्फ लॉटरी (उम्र 30 साल) पिता मोहम्मद आजाद रंगरेज, निवासी- कावांखेड़ा कच्ची बस्ती, भीलवाड़ा (मुख्य सूत्रधार)।

समीर पठान (उम्र 25 साल) पिता सलीम पठान, निवासी- जवाहरनगर, भीलवाड़ा।

सुलेमान उर्फ काला (उम्र 25 साल) पिता मोहम्मद शरीफ कुरैशी, निवासी- गांधी नगर, भीलवाड़ा (थाने का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर)।

**अवैध पिस्टल बरामद, कोतवाली थाने में एक और मुकदमा दर्ज:**

गुलाबपुरा थानाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि गिरफ्तारी के बाद आरोपियों से सघन पूछताछ की गई। मुख्य आरोपी सिकंदर लॉटरी की निशानदेही पर पुलिस ने कावांखेड़ा स्थित उसके मकान पर छापा मारकर एक अवैध पिस्टल बरामद की है। अवैध हथियार मिलने के मामले में आरोपियों के खिलाफ थाना कोतवाली भीलवाड़ा पर आर्म्स एक्ट के तहत एक और नया प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस अब गैंग के अन्य सदस्यों आसिफ और लकी कायमखानी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

**सराहनीय कार्य करने वाली पुलिस टीम:**

बदमाशों को दबोचने में थानाधिकारी संजय कुमार, कांस्टेबल रविन्द्र (1621), कांस्टेबल अभेष कुमार (1537), कांस्टेबल कमल कुमार (325) तथा कांस्टेबल दिनेश कुमार (393) की विशेष व सराहनीय भूमिका रही।

## 20 से अधिक दिनों से पेयजल संकट, दूषित पानी से वार्डवासी परेशान

स्मार्ट हलचल

**बिजयनगर।** बिजयनगर शहर के शीतला माता गली व कुम्हार गली क्षेत्र में पिछले 20 दिनों से अधिक समय से पेयजल संकट गहराया हुआ है। पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष संजय बड़ोला ने बताया कि क्षेत्र में बीते 20 दिनों से भी अधिक समय से नियमित जलापूर्ति नहीं हो रही है। इस दौरान केवल दो बार पानी की सप्लाई हुई, लेकिन उसमें भी नलों से दूषित एवं बदबूदार पानी आने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि जलदाय विभाग द्वारा वार्ड में कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे खोदे गए हैं उसके बावजूद भी अब तक समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। पेयजल संकट और दूषित पानी की समस्या से वार्डवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन एवं जलदाय विभाग से शीघ्र समाधान की मांग करते हुए चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही नियमित एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो वार्डवासी आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

**मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का महत्वपूर्ण निर्णय**

# राजस्थान पुलिस में तकनीकी संवर्ग का हुआ पुनर्गठन

**403 उच्च पदों की वृद्धि, पुलिसकर्मियों को मिलेंगे पदोन्नति के अधिक अवसर**

स्मार्ट हलचल | जयपुर

राजस्थान पुलिस के तकनीकी संवर्ग में वर्षों से उच्च पदों में वृद्धि नहीं होने की स्थिति में लंबे समय से लंबित पदोन्नति अवसरों को अब गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कैडर पुनर्गठन करते हुए चालक, घुड़सवार और बैंड शाखाओं में पदोन्नतियों की राह खोली है और पुलिसकर्मियों को सेवा समर्पण का एक बड़ा उपहार दिया है। गृह विभाग, राजस्थान द्वारा 23 जून 2026 को एक स्वीकृति जारी की गई, जिसमें संवर्ग के 403 पदों को उच्च पदों में पुनर्गठित किया गया है। इस कैडर पुनर्गठन के निर्णय से अब तकनीकी संवर्ग में भी सिविल संवर्ग की तरह समयानुसार पदोन्नतियों हो सकेंगी। इससे पुलिसकर्मियों को पदोन्नति के अधिक अवसर प्राप्त होंगे, उनका मनोबल बढ़ेगा और पुलिस कार्यक्षमता और अधिक सुदृढ़ होगी। राज्य सरकार का यह अहम प्रयास कार्मिक कल्याण, प्रशासनिक सुधार और तकनीकी दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

**अभी तक सीमित रहे अवसर**

तकनीकी संवर्ग में अभी तक सिविल, आईबी, दूरसंचार आरएसी/एमबीसी चालक, सिविल घुड़सवार और सिविल व आरएसी/एमबीसी बैंड में पदोन्नति के अवसर बेहद सीमित होने से कार्मिकों में काफी निराशा थी। इस संवर्ग में नियुक्त कॉन्स्टेबल लंबे समय से इसी पद पर कार्यरत हैं, जबकि समान वर्ष में सिविल पुलिस में नियुक्त कॉन्स्टेबल पदोन्नति प्राप्त कर सहायक उपनिरीक्षक बन गए हैं।

**अब 403 उच्च पद के पदोन्नति के अवसर**

स्वीकृति के अनुसार, तकनीकी संवर्ग में चालक के 331 पदों को पुर्नगठित कर उच्च पदों में वृद्धि की गई है। इनमें पुलिस निरीक्षक/सी.सी के 16 पद, उप निरीक्षक/पी.सी के 62 पद एवं हेड कॉन्स्टेबल 253 पद हैं। इसी तरह संवर्ग के बैंड वर्ग में कुल 69 उच्च पद बढ़ाए गए हैं, जिसमें उप निरीक्षक/पी.सी के 17 पद, हेड कॉन्स्टेबल के 52 पद शामिल हैं। वहीं, घुड़सवार वर्ग में

उप निरीक्षक/पी.सी के 3 उच्च पद बढ़ाए गए हैं।

**उच्च पदों में इस प्रकार वृद्धि हुई**

सिविल, आईबी, दूरसंचार और आरएसी/एमबीसी चालक में पुलिस निरीक्षक/सी.सी के पद 17 से बढ़कर अब 33, उप निरीक्षक/पी.सी के 108 से 170, हेड कॉन्स्टेबल के पद 1046 से बढ़कर 1299 किए गए हैं। इसी प्रकार सिविल बैंड और आरएसी/एमबीसी बैंड में उप निरीक्षक के पद 10 से बढ़कर 27 और हेड कॉन्स्टेबल के पद 141 से बढ़कर 193 हो गए हैं। सिविल घुड़सवार उप निरीक्षक के पदों की संख्या 1 से बढ़ाकर अब 4 कर दी गई है।

**डीजीपी, राजस्थान के प्रयासों से खुली राह**

तकनीकी संवर्ग की समस्या को देखते हुए पुलिस महानिदेशक राजस्थान श्री राजीव कुमार शर्मा की पहल पर पदोन्नति के अवसरों के लिए कैडर पुनर्गठन करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा गया था। इस प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा द्वारा राज्य बजट वर्ष 2026-27 में कैडर पुनर्गठन के लिए घोषणा की गई थी। इसी घोषणा की समयबद्ध अनुपालना में गृह विभाग द्वारा स्वीकृति आदेश जारी किए हैं।

**पुलिस बल होगा और मजबूत**

राजस्थान पुलिस बल को आधुनिक, दक्ष एवं सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। तकनीकी संवर्ग का यह पुनर्गठन उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे तकनीकी शाखाओं की कार्यक्षमता और सेवा गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। आगे भी कार्मिक कल्याण एवं संगठनात्मक सुधार के लिए प्रयास जारी रहेंगे।
-श्री राजीव कुमार शर्मा, पुलिस महानिदेशक राजस्थान

# भगवान देवनारायण मंदिर में चोरी का पर्दाफाश: पारोली पुलिस ने शातिर चोर छोटूलाल गुर्जर को दबोचा, 525 किलो अनाज और अल्टो कार जब्त

**50 से 60 सीसीटीवी कैमरों और बीटीएस खंगालने के बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा आरोपी; मंदिरों की रेकी कर वारदात को अंजाम देता था शातिर चोर, पारोली पुलिस की त्वरित कार्रवाई**

स्मार्ट हलचल | पारोली

भीलवाड़ा जिला पुलिस अधीक्षक सागर राणा के आदेशानुसार क्षेत्र में चोरी व नकबजनी की वारदातों पर अंकुश लगाने तथा वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पारोली थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने देवनारायण भगवान मंदिर की सराय का ताला तोड़कर अनाज चोरी करने की वारदात का त्वरित खुलासा करते हुए एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया भारी मात्रा में अनाज बरामद करने के साथ ही वारदात में प्रयुक्त की गई अल्टो कार भी जब्त कर ली है।

**कबूतरों को दाना डालने गया तो खुला चोरी का राज:**

थानाधिकारी सियाराम (पु.नि.) ने बताया कि प्रार्थी नारायण पिता जगदीश जाट (निवासी आगरिया, पारोली) ने थाने पर एक लिखित

रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट के अनुसार, दिनांक 20 जून 2026 की रात को आगरिया गांव के आसोप रोड पर स्थित देवनारायण भगवान मंदिर की सराय का ताला तोड़कर अज्ञात चोर वहां रखे गेहूं और मक्की के 11 कट्टे (करीबन 600 किलोग्राम धान) चुरा ले गए थे।

अगली सुबह जब प्रार्थी मंदिर की सराय में कबूतरों को धान बिखेरने गया, तब उसे ताला टूटा होने और चोरी की इस वारदात का पता चला। पुलिस ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) और 331(3) के तहत मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य एवं वृताधिकारी कोटड़ी सुरेश डाबरिया के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी पारोली सियाराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने घटनास्थल के आस-पास के मोबाइल टावरों के बीटीएस रिकॉर्ड लिए और क्षेत्र के करीबन 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। सीसीटीवी फुटेज के गहन विश्लेषण और आरोपी के भागने वाले रूट को ट्रैक करने के बाद पुलिस ने संदिग्ध छोटू लाल पिता गोपाल गुर्जर (उम्र 26 साल, निवासी रूपपुरा, थाना फुलिया कला, भीलवाड़ा) को डिटेन किया।

**मंदिरों की रेकी कर देता था वारदात को अंजाम:**

पुलिस द्वारा जब आरोपी छोटू लाल गुर्जर से कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने देवनारायण मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसका काम पहले मंदिरों की रेकी करना होता था और मौका पाकर वह चोरी करता था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मंदिर से चोरी किया गया करीबन 525 किलोग्राम अनाज बरामद कर लिया है। साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई अल्टो 800 कार को भी जब्त कर लिया गया है। पुलिस अब आरोपी से क्षेत्र में हुई अन्य चोरियों के संबंध में भी गहन पूछताछ कर रही है। चोरी का त्वरित खुलासा करने वाली टीम में थानाधिकारी सियाराम, सहायक उपनिरीक्षक रामेश्वर लाल, कांस्टेबल सुनील (590), कांस्टेबल शैतान सिंह (1545), कांस्टेबल रामावतार (1771) तथा कांस्टेबल रामलाल (1578) शामिल रहे।

## भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के पदाधिकारियों हेतु चुनाव 28 जून 2026 को

स्मार्ट हलचल |भीलवाड़ा

जिला माहेश्वरी सभा के मुख्य चुनाव अधिकारी रतनलाल मंडोवरा ने बताया कि भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के आगामी सत्र 2026- 2029 के लिए 10 पदाधिकारी के चुनाव हेतु 28 जून 2026 रविवार को समाज के नए भवन आनंदम (प्रकल्प भीलवाड़ा जिला महेश सेवा निधि) आजाद नगर भीलवाड़ा में प्रातः 10:00 बजे से चुनावी प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी जिसमें 10 पदाधिकारी का चुनाव किया जाना है अध्यक्ष (एक) वरिष्ठ उपाध्यक्ष (एक) उपाध्यक्ष (दो) मंत्री ( एक) अर्थमंत्री (एक) संगठन मंत्री (एक) एवं शेष संयुक्त मंत्री (तीन ) के लिए सत्र 2023- 26 के 258 मतदाताओं द्वारा चुनावी

प्रक्रिया के माध्यम से निर्वाचन किया जाएगा चुनावी प्रक्रिया में सत्र 2023 -2026 के जिला प्रतिनिधि एवं चयनित एवं पदेन सदस्य ही भाग ले सकेंगे। चुनावी प्रक्रिया केंद्रीय चुनाव समिति के पर्यवेक्षक एवं जिला सभा के पर्यवेक्षक की देखरेख में होंगे। चुनावी प्रक्रिया हेतु सम्पूर्ण व्यवस्थाएं कर ली गई है।

# मां की हत्या करने वाले कलयुगी पुत्र को उम्रकैद

**शाहपुरा कोर्ट का बड़ा फैसला- 26 गवाहों और 32 दस्तावेजों ने खोला हत्या का राज**

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** रिश्तों को शर्मसार कर देने वाले एक सनसनीखेज हत्याकांड में शाहपुरा न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए अपनी ही मां की हत्या करने वाले कलयुगी पुत्र को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय के इस फैसले ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून के हाथ भले धीमे हों, लेकिन अपराधी को सजा देकर न्याय जरूर करता है।

वर्ष 2023 में ग्राम रहड़, थाना शाहपुरा, में हुई इस दर्दनाक घटना ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। अभियुक्त रुस्तम पुत्र मोहम्मद अली ने अपनी मां शाहनाज बानो की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। इस जघन्य अपराध के बाद मृतका के भाई

मकबूल मोहम्मद ने थाना शाहपुरा में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए हत्या का आरोप परिवारजनों पर लगाया था।

रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने एफआईआर संख्या 208/2023 दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान पुलिस ने साक्ष्य जुटाए और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर मृतका के पुत्र रुस्तम के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 302 एवं 34 के तहत आरोप पत्र अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, शाहपुरा न्यायालय में पेश किया। बाद में मामला सुनवाई के लिए सत्र न्यायालय भेजा गया।

विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक हितेष शर्मा ने मजबूत पैरवी की। अदालत में 26 गवाहों के बयान दर्ज कराए गए तथा 32 महत्वपूर्ण दस्तावेज पेश किए गए। मौखिक और दस्तावेजी साक्ष्यों की गहन पड़ताल के बाद न्यायालय इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि अभियुक्त रुस्तम ही अपनी मां की हत्या का दोषी है।

अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सानिया हाशमी ने अभियुक्त रुस्तम को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास तथा 25,000 के अर्थदंड की सजा सुनाई। यह फैसला केवल एक अभियुक्त को सजा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के लिए भी एक कड़ा संदेश है ममता और रिश्तों की हत्या करने वालों को कानून किसी कीमत पर बख्शने वाला नहीं है। न्यायालय का यह निर्णय न्यायपालिका की निष्पक्षता और कानून की दृढ़ता का प्रतीक बनकर सामने आया है।

## ढिकोला शिविर में दोबारा शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

**बैंक के बाहर 11 केवी लाइन और ट्रांसफार्मर से हादसे का खतरा**

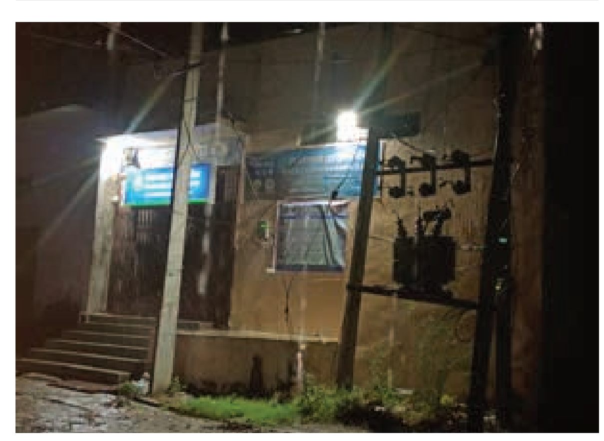

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा में उपतहसील मुख्यालय ढिकोला स्थित राजस्थान क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के बाहर से गुजर रही 11 केवी विद्युत लाइन एवं ट्रांसफार्मर को लेकर ग्रामीणों में लगातार चिंता बनी हुई है। ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या को लेकर प्रशासनिक शिविर में दोबारा मौखिक शिकायत दर्ज कराने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के जिला सचिव एवं जनसेवक राजू जाट ने बताया कि बैंक परिसर के समीप घनी आबादी वाले क्षेत्र में 11 केवी विद्युत लाइन और ट्रांसफार्मर लगे हुए हैं। यहां सुरक्षा मानकों के अनुरूप पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से आमजन की जान जोखिम में बनी हुई है। ट्रांसफार्मर पर सुरक्षा कवच का अभाव है तथा कई स्थानों पर विद्युत तार खुले होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

उन्होंने बताया कि ढिकोला उपतहसील मुख्यालय के अंतर्गत लगभग 12 से 15 ग्राम पंचायतें तथा 8 से 10 पटवार मंडल आते हैं। क्षेत्र का प्रमुख बैंक होने के कारण प्रतिदिन करीब 1000 से 2000 लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में बैंक के बाहर असुरक्षित विद्युत व्यवस्था किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है।

राजू जाट ने कहा कि राजस्थान विद्युत अधिनियम एवं सुरक्षा मानकों के अनुसार घनी आबादी वाले क्षेत्रों में उच्च वोल्टेज विद्युत लाइनों के संचालन में विशेष सावधानी बरती जानी चाहिए, लेकिन संबंधित विभाग इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहा है। कई बार शिकायतें किए जाने और शिविर में दोबारा मौखिक रूप से समस्या उठाने के बावजूद अधिकारियों की ओर से केवल आश्वासन ही दिया गया है।

वर्तमान में बारिश का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में खुले तारों और असुरक्षित ट्रांसफार्मर के कारण किसी भी समय जनहानि होने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग एवं प्रशासन से मांग की है कि जनहित और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाएं तथा समस्या का स्थायी समाधान किया जाए।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई और कोई दुर्घटना घटित होती है तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग और अधिकारियों की होगी।

# मृतक शिक्षक के नाम से पेंशन डकारने का महाघोटाला: शिकायत के 4 माह बाद भी न मुकदमा दर्ज

**लुहारीकलां गांव का सनसनीखेज मामला: हिंदी व्याख्याता के निधन के बाद भी फर्जी दस्तावेजों से उठती रही पेंशन; पीड़िता ने एसपी को परिवाद सौंपकर लगाई न्याय की गुहार**

स्मार्ट हलचल

**जहाजपुर।** जहाजपुर क्षेत्र के लुहारीकलां गांव में सरकारी सिस्टम की नाक के नीचे एक दिवंगत शिक्षक के नाम पर फर्जी कागजात तैयार कर महीनों तक पेंशन राशि डकारने का एक बेहद संगीन और हैरान करने वाला मामला सामने आया है।

इस पूरे फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ होने और पुलिस अधीक्षक सहित शिक्षा विभाग के उच्चाधिकारियों को लिखित शिकायत दिए जाने के 4 महीने बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। रसूखदार आरोपियों के खिलाफ न तो अब तक पुलिस ने कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज किया है और न ही शिक्षा विभाग ने कोई दंडात्मक विभागीय कार्रवाई की है। इस प्रशासनिक शिथिलता के चलते जालसाजों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने अब पीड़ित परिवार को ही जान से मारने की धमकियां देना शुरू कर दिया है।

**निधन के बाद भी चालू रही पेंशन, रिकॉर्ड में हेराफेरी का आरोप:**

शिकायतकर्ता सुनीता देवी मीणा ने पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा को सौंपे गए अपने विस्तृत परिवाद में बताया कि उनके ससुर शिवजीराम मीणा शिक्षा विभाग में वरिष्ठ अध्यापक (हिंदी व्याख्याता) के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उनका 25 मई 2024 को निधन हो चुका है। नियमतः कर्मचारी के निधन के तुरंत बाद इसकी सूचना ट्रेजरी और संबंधित बैंक को देकर पेंशन रोकी जानी चाहिए थी, लेकिन यहाँ एक सोची-समझी साजिश के तहत मृतक का मृत्यु प्रमाण पत्र समय पर जारी नहीं होने दिया गया। बैंक और सरकारी अभिलेखों में भ्रामक और कूटरचित (फर्जी) दस्तावेज पेश कर विभागीय साठगांठ से मृत व्याख्याता के नाम पर लगातार पेंशन राशि की निकासी कर सरकारी धन का गबन किया जाता रहा।

**सच उजागर करने पर पीड़ित परिवार को मिल रही जान से मारने की धमकी:**

इस पूरे घोटाले का सबसे खौफनाक पहलू यह है कि जब पुत्रवधू सुनीता देवी ने इस वित्तीय भ्रष्टाचार और जालसाजी का विरोध किया और विभाग को सूचित किया, तो आरोपियों ने उन्हें और उनके पूरे परिवार को गंभीर परिणाम भुगतने तथा जान से मारने की सीधी धमकी दे डाली। पीड़िता ने अपनी शिकायत में साफ तौर पर कहा है कि आरोपी बेहद रसूखदार और आपराधिक प्रवृत्ति के हैं, जिससे उनके परिवार की सुरक्षा पर हर समय खतरा मंडरा रहा है।

**आखिर कब जागेगा महकमा और पुलिस प्रशासन?**

पीड़िता सुनीता देवी का कहना है कि उन्होंने इस सुनियोजित धोखाधड़ी के संबंध में पुलिस प्रशासन, ट्रेजरी विभाग और शिक्षा विभाग के आला अफसरों को नामजद लिखित शिकायतें भेजी थीं। लेकिन 4 महीने का लंबा वक्त गुजर जाने के बाद भी एफआईआर का दर्ज न होना और शिक्षा विभाग की ओर से कोई आंतरिक जांच कमेटी न बिठाया जाना कई बड़े अनुत्तरित सवाल खड़े करता है। पीड़िता ने एक बार फिर भीलवाड़ा एसपी से मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय तकनीकी जांच कराने, फर्जी दस्तावेजों के आधार पर पेंशन निकालने वाले दोषियों के विरुद्ध सख्त धाराओं में मुकदमा दर्ज करने तथा पीड़ित परिवार को तुरंत पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराने की पुरजोर गुहार लगाई है।

# निर्जला एकादशी पर भक्ति के सागर में डूबा कोटड़ी

**:- 501 किलो आम, 108 थाल मठरी मनोरथ, 150 किलो मोगरे की सुगंध और भजनों की स्वर लहरियों से देर रात तक गूंजता रहा मंदिर परिसर**

स्मार्ट हलचल

**कोटड़ी।** निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर गुरुवार को श्री कोटड़ी श्याम के दरबार में आयोजित पंचम नौका विहार महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के अद्भुत संगम का साक्षी बना। दोपहर 12.15 बजे से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी और दिनभर भगवान श्री कोटड़ी श्याम के दर्शन, सेवा एवं विभिन्न धार्मिक मनोरथों का सिलसिला चलता रहा।

देर रात तक हजारों श्रद्धालुओं ने नौका विहार के दिव्य दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया। महोत्सव का शुभारंभ कन्नौज से मंगवाए गए सुगंधित इत्र से भगवान के इत्र अभिषेक के साथ हुआ। इसके बाद प्रभु का विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर परिसर को वृंदावन से मंगाई गई लगभग 150 किलो मोगरे की लड़ियों से सजाकर भव्य मोगरा महल का स्वरूप दिया गया। चारों ओर फैली मोगरे की मनमोहक सुगंध और इत्र के फव्वारों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। दोपहर 12:15 बजे भगवान श्री कोटड़ी श्याम को आकर्षक रूप से सुसज्जित नौका में विराजमान कर

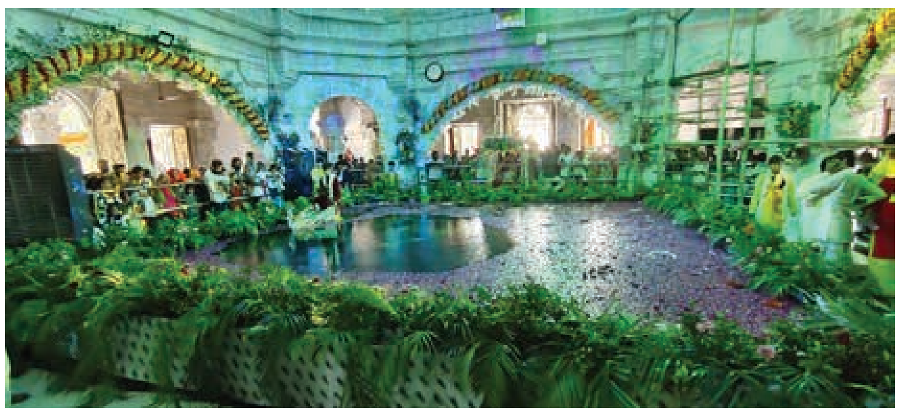

विशाल कृत्रिम कुंड में नौका विहार कराया गया। कुंड को वृंदावन से लाए गए यमुना जल, ऋषिकेश के गंगाजल तथा एकलिंगजी से मंगाए गए कमल पुष्पों से सजाया गया था। जैसे ही प्रभु की नौका जल में उतरी, पूरा मंदिर परिसर 'कोटड़ी श्याम बाबा की जय' के जयघोष से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर प्रभु का स्वागत किया और दिव्य झांकी के दर्शन किए।

### हर 15 मिनट में लगा अलग-अलग व्यंजनों का भोग

पूरे दिन प्रभु की सेवा में विशेष मनोरथ आयोजित किए गए। प्रत्येक 15 मिनट के अंतराल में भगवान को अलग-अलग प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया गया। माखन-मिश्री, श्रीखंड, मैंगो क्रीम, मैसूर पाक, ठंडाई, गुलाब शरबत, रबड़ी, पंजीरी, रसगुल्ला, बेसन चक्की, मेसुरपाक सहित लगभग 50 प्रकार की मिठाइयों एवं व्यंजनों को चंगेरी और मिट्टी के पारंपरिक पात्रों में आकर्षक ढंग से सजाकर प्रभु के श्रीचरणों में अर्पित किया गया।

### 108 थालों का मठरी मनोरथ बना आकर्षण का केंद्र

दोपहर 1 बजे सात प्रकार की मठरियों से सुसज्जित 108 थालों का भव्य मठरी मनोरथ सजाया गया। भगवान को अर्पित किए गए इस मनोरथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने बड़ी श्रद्धा के साथ प्रभु के दर्शन कर प्रसाद ग्रहण किया।

### 501 किलो आमों से सजा भव्य आम मनोरथ

शाम 4 बजे विभिन्न किस्मों के 501 किलो आमों से भव्य आम मनोरथ सजाया गया। केसर, हाफुस, तोतापुरी, कलमी सहित अनेक किस्मों के आमों से सजे इस मनोरथ ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। श्रद्धालु आम मनोरथ के साथ प्रभु के दर्शन कर स्वयं को धन्य मानते रहे।

### भजन संध्या में भक्ति रस में सराबोर हुए श्रद्धालु

नौका विहार कार्यक्रम की शुरुआत के साथ ही आयोजित भजन सरिता में वृंदावन से पधारे नंदरायदास (चैतन्य शर्मा) ने अपनी मधुर भजनों की प्रस्तुतियों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। उनके साथ भीलवाड़ा के जिम्मी दाधीच एवं कोटड़ी के लखन टेलर एंड पार्टी ने भी एक से बढ़कर एक श्याम भजन प्रस्तुत किए। श्रद्धालु शयन आरती तक भजनों पर झूमते रहे और पूरा मंदिर परिसर श्याम नाम के जयघोष से गूंजता रहा।

### इत्र के फव्वारे, पुष्प सज्जा और आतिशबाजी बनी विशेष आकर्षण

मंदिर परिसर में नौका विहार के लिए तैयार अस्थाई कुण्ड के चारों ओर लगाए गए इत्र के फव्वारों ने श्रद्धालुओं को अनूठा अनुभव कराया। शाम की संध्या आरती के बाद कुंड के चारों ओर भव्य आतिशबाजी की गई, जिसने पूरे आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया। रंग-बिरंगी रोशनी और आतिशबाजी के बीच नौका में विराजमान प्रभु का दिव्य स्वरूप श्रद्धालुओं के लिए अविस्मरणीय बन गया।

### ठंडाई प्रसाद से मिली राहत

भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए आयोजन समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए ठंडाई प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई। संध्या आरती के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

### भक्तों के सहयोग से सफल हुआ आयोजन

महोत्सव को सफल बनाने में श्री चारभुजा मंदिर ट्रस्ट, आयोजन समिति, युवा भक्त मंडल तथा अनेक सेवाभावी श्रद्धालुओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।व्यवस्थाओं से लेकर सजावट, प्रसाद वितरण, सुरक्षा एवं दर्शन व्यवस्था तक सभी कार्य सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुए। आयोजन समिति ने बताया कि पंचम नौका विहार महोत्सव में अपेक्षा से अधिक श्रद्धालु पहुंचे और पूरे दिन मंदिर परिसर में भक्ति, सेवा और श्रद्धा का अद्भुत वातावरण बना रहा। समिति ने सभी श्रद्धालुओं, सेवाभावियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान श्री कोटड़ी श्याम की कृपा से यह महोत्सव ऐतिहासिक, भव्य और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

## डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर शक्ति केंद्र बैठकों का आयोजन

स्मार्ट हलचल | गंगापुर

भारतीय जनता पार्टी गंगापुर नगर मंडल द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी के नेतृत्व में शक्ति केंद्र स्तर पर बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में राणा प्रताप, भगत सिंह, सुभाष एवं विवेकानंद शक्ति केंद्रों पर बैठकें आयोजित की गईं।

बैठकों की शुरुआत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। कार्यकर्ताओं ने उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान और बलिदान को याद किया।

इस अवसर पर विधायक लादूलाल पीतलिया ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने तथा आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का आह्वान किया। वहीं विधानसभा प्रवासी प्रभारी सज्जन सिंह ने बूथ प्रबंधन और संगठनात्मक मजबूती पर मार्गदर्शन दिया।

नगर अध्यक्ष अमित तिवाड़ी ने बताया कि बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में नगर मंडल के प्रत्येक शक्ति केंद्र पर बैठकें आयोजित कर संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है।

बैठक में हेमेंद्र फुलवरिया, महिला मोर्चा अध्यक्ष दया सैनी, मुरली मनोहर प्रकाश पीछोलिया, मोतीलाल गहलोत, जमनेश खटीक, मुकेश पुरी, रमेश साहू, आशुतोष, बालू गुर्जर, अरुण टांक, निखिल हेड़ा, सोहन रैगर, रमेश माली, यज्ञदत्त शर्मा, नंदकिशोर माली, धर्मेश खटीक, कमलेश सेन, लक्ष्मण बैरवा सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## भारिण्डा गांव में नाली के कीचड़ व जलभराव से ग्रामीण परेशान

स्मार्ट हलचल

**लाडपुरा।** कस्बे के भारिण्डा गांव में स्थित नाली के कीचड़ होने से ग्रामीण को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिसके चलते उक्त मार्ग पर कीचड़ जमा रहता है। सी सी रोड पर नालियों के क्रॉसिंग पर लोहे की मजबूत जालियों के नहीं लगाए जाने से चौपहिया और दुपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानी देखनी पड़ रही है। चौड़ाई अधिक होने और उस पर लोहे की मजबूत जालियों के नहीं लगाए जाने से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है। नाली के कारण फैले कीचड़ और बदबूदार पानी से छात्र-छात्राओं सहित ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मुख्य सड़क में पानी भरा होने और नाली कीचड़ होने से इस मार्ग पर निरंतर वाहनों की आवाजाही से सदैव कीचड़ रहता है। ऐसे में ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाई होती है और दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। जिसमें स्कूल के बच्चों को आने-

जाने में दुविधा होती है। खुले में जमा यह गंदा पानी विभिन्न बीमारियों को भी न्यौता दे रहा है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द नाली की मरम्मत कराने और नाली के पानी की निकासी की स्थायी व्यवस्था करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि चबंल परियोजना के बाद सड़क उखड़ गई है जिससे मरीजों और फैल आमजन को परेशानी होती है। इस सड़क की मरम्मत हो व साफ सफाई हो। ग्रामीणों ने बताया कि मुख्य सड़क पर नाली के कीचड़ होने से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जनप्रतिनिधि को कई बार अवगत कराने के बाद भी हालत जस के तस हैं। ग्रामीणों ने नाली को दुरस्त कराने की गुहार लगाई है।

## सवाईपुर मेगा हाईवे पर अंधेरा: रोड लाइटें बंद

स्मार्ट हलचल

**आकोला।** सवाईपुर कस्बा जो कि भीलवाड़ा-कोटा मुख्य मार्ग पर स्थित सवाईपुर कस्बे में मेगा हाईवे की रोड लाइट व्यवस्था बदहाल होने से राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सवाईपुर पुलिस चौकी से सवाईपुर-कोटड़ी चौराहे तक लगी आधे से अधिक रोड लाइटें लंबे समय से बंद पड़ी हैं, जिससे रात के समय पूरा क्षेत्र अंधेरे में डूब जाता है।

यह मार्ग भीलवाड़ा और कोटा को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मुख्य मार्ग है, जहां प्रतिदिन हजारों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। घनी आबादी का क्षेत्र होने ओर अंधेरे के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है तथा वाहन चालकों को आवागमन में कठिनाई होती है। स्थानीय लोगों

का कहना है कि लाखों रुपये खर्च कर लगाई गई रोड लाइटों की नियमित देखरेख नहीं होने से यह स्थिति पैदा हुई है।

गौरतलब है कि प्रशासन ने हाल ही में सवाईपुर में यातायात व्यवस्था सुचारू रखने, सड़क पर भीड़ कम करने और आवाजाही बाधित नहीं हो इसके लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। जब आमजन की सुविधा के लिए अतिक्रमण हटाया जा सकता है, तो बंद पड़ी रोड लाइटों को भी प्राथमिकता के आधार पर ठीक कराया जाना चाहिए।

क्षेत्रवासियों ने संबंधित विभाग, मेगा हाईवे प्रबंधन और जिला प्रशासन से मांग की है कि सवाईपुर चौराहे से लेकर मुख्य मार्ग की सभी खराब रोड लाइटों को शीघ्र चालू कराया जाए, ताकि चौराहा अंधेरे में डूबा न रहे और राहगीरों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

## स्वर्णकार समाज ने किया भगवान रूपचतुर्भुज नाथ का अभिषेक

### श्रद्धालुओं को वितरित किया शीतल आमरस प्रसाद

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

निर्जला एकादशी पर स्वर्णकार समाज भीलवाड़ा के युवा अध्यक्ष लखन सोनी के नेतृत्व में समाज के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने श्री रूप चतुर्भुज नाथ मंदिर में भगवान का विधि-विधान से अभिषेक कर पूजा-अर्चना की। कार्यक्रम के दौरान समाजजनों ने भगवान के दर्शन कर समाज की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

सायंकाल मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए शीतल आमरस प्रसाद का वितरण किया गया। बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे तथा प्रसाद ग्रहण कर धार्मिक आयोजन का लाभ लिया।

कार्यक्रम संरक्षक दिनेश सोनी

मलेंडिया के सानिध्य में आयोजित हुआ। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष श्री कैलाश बेनाथिया, पूर्व अध्यक्ष कवरलाल खजवानियां, गोपाल जंगवाल, शंभूदयाल कड़ेल, संरक्षक विष्णु भरावा, युवा अध्यक्ष लखन सोनी, युवा मंत्री मनीष बिच्छी, युवा कोषाध्यक्ष टिंकल मलेंडिया, राजेश तूनगर, शंभू सोलीवाल, मुरली जवड़ा, प्रवीण बेराडिया, धीरज मलेंडिया एवं जयंत सोनी सहित समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थत रहे।

अभिषेक मंदिर के पुजारी ध्रुव शर्मा एवं कुश शर्मा ने विधि विधान से करवाया।

## भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति, निर्जला ग्यारस का महात्म्य और दक्ष यज्ञ प्रसंग का हुआ भावपूर्ण वर्णन

स्मार्ट हलचल

**खजूरी।** शिवाजी कॉलोनी में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के द्वितीय दिवस पर श्रद्धा और भक्ति का अनुपम संगम देखने को मिला। कथा व्यास 15 वर्षीय बालव्यास राधे कृष्ण महाराज ने भक्त प्रह्लाद, निर्जला ग्यारस के महात्म्य एवं दक्ष यज्ञ प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और संस्कारों का संदेश दिया। कथा श्रवण के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महाराज ने भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति का वर्णन करते हुए कहा कि जो भक्त विपरीत परिस्थितियों में भी भगवान पर अटल विश्वास रखता है, उसकी रक्षा स्वयं भगवान करते हैं। जीवन में कितनी भी कठिनाइयां आएं, सच्ची श्रद्धा और विश्वास मनुष्य को हर संकट से बाहर निकाल देते हैं।

निर्जला ग्यारस के महात्म्य का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि श्रद्धा एवं नियमपूर्वक किया गया एकादशी व्रत भगवान विष्णु की विशेष कृपा का माध्यम है। व्रत, भक्ति, सत्संग और सेवा से जीवन में सुख, शांति एवं आध्यात्मिक उन्नति प्राप्त होती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से धर्म और मानव सेवा को जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। कथा के अंतिम चरण में दक्ष यज्ञ प्रसंग का वर्णन करते हुए महाराज ने बताया कि अहंकार मनुष्य के पतन का सबसे बड़ा कारण है। राजा दक्ष द्वारा भगवान शिव के अपमान और माता सती के आत्मदाह की कथा के माध्यम से उन्होंने पारिवारिक सम्मान, विनम्रता और धार्मिक मर्यादाओं के पालन का संदेश दिया। भजन-कीर्तन, हरिनाम संकीर्तन और भगवान के जयघोष से पूरा कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहा। श्रद्धालुओं ने कथा श्रवण कर धर्म और भक्ति के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

आयोजक पंडित रामगोपाल भट्ट ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन 30 जून तक प्रतिदिन होगा। कथा के समापन पर महाआरती के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

## राजस्थान नर्सेंज यूनियन भीलवाड़ा द्वारा राजधानी जयपुर मे निदेशक अराजपत्रित स्वास्थ्य से की गई मुलाक़ात

### भीलवाड़ा जिले के नर्सेंज की पीड़ाओ को निदेशक राकेश शर्मा के समक्ष रखी गई

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)।** शाहपुरा-राजस्थान नर्सेंज यूनियन महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाड़ा द्वारा जिला अध्यक्ष लक्की ब्यावट के नेतृत्व में राजधानी जयपुर में जाकर निदेशक चिकित्सा राकेश शर्मा से मिलकर आर न यु टीम द्वारा ज्ञापन दिया गया

जिला संयोजक अमित व्यास ने बताया कि महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाड़ा एवं राजमाता विजय राजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज भीलवाड़ा में नर्सेंज कर्मचारियों को मासिक वेतन की परेशानी,पद विलोपन की परेशानी एवं ठेके पर रखे 48 संविदा कर्मियों के हटने की परेशानी के कारण अत्यंत मानसिक तनाव से गुजरना पड़ रहा है।

महासचिव विनोद सोनी ने बताया की निदेशक को बताया गया कि यह मानसिक तनाव न केवल नर्सेंज संवर्ग पर अपितु एक दशक से महात्मा गांधी चिकित्सालय में अन्य नर्सेंज के पद भी न बढ़ाए जाने के कारण जहां महात्मा गांधी चिकित्सालय में 533 बेड स्वीकृत है उसके विपरीत लगभग 8 30 बेड लगाकर प्रतिदिन करीबन 900 से 1000 मरीज का इलाज किया जा रहा है जिसका सबसे

बड़ा भार नर्सिंग ऑफिसर्स पर पड़ रहा है जो की अत्यंत ही विचारणीय और अत्यंत मानसिक तनाव को नर्सेंज द्वारा वहन किया जा रहा है जिसे अति शीघ्र दूर किया जावे नर्सेंज को जिनके पद विलोपित किए गए उनको महात्मा गांधी चिकित्सालय भीलवाड़ा की कैथ लेब में 48 संविदा कर्मियों को वापस समायोजित किया जावे एवं 83 नर्सेंज जो की मेडिकल कॉलेज से पद विलोपन होकर अभी आर्थिक संकट के साथ-साथ मानसिक पीड़ा से जूझ रहे हैं उन्हें भी निजात दिलवाकर भीलवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय में ही समायोजित कर दिया जाए और नर्सेंज की वेतन वीसंगति एवं नर्सिंग अधीक्षक पदों की पदोन्नति में छूट नर्सिंग सीनियर ऑफिसर्स की पीड़ा को भी अति शीघ्र खत्म करके उन्हें न्याय दिया जाए ऐसी मांग रखी गई।

उपाध्यक्ष करण सिंह सिसोदिया ने बताया की इसके बाद टीम ने मांडलगढ़ विधायक गोपाल खंडेलवाल से मिले और उन्हें अपनी समस्याओं से अवगत कराया तत्पष्यात विधयाक खंडेलवाल ने चिक्तिसा मंत्री गजेंद्र सिंह खिवंसर को दूरभाष पर नर्सिंग कर्मचारियो की परेशानिया दूर करने की पैरवी की।

## टेंपो चालक के बेटे ने फौज में पाई जगह, शाहपुरा के लाल सोनू धाकड़ का हुआ भव्य स्वागत

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** शाहपुरा के कलिंजरी गेट स्थित नहर के पास रहने वाले सोनू धाकड़ ने इस कहावत को चरितार्थ कर दिखाया है। एक साधारण परिवार से निकलकर भारतीय सेना में चयनित होकर उन्होंने अपने माता-पिता के साथ पूरे शाहपुरा का नाम रोशन किया है। अखिल भारतीय धाकड़ समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष रामेश्वर लाल धाकड़ ने बताया कि सोनू के पिता खाना राम धाकड़ टेंपो चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने अपने बेटे के सपनों को पूरा करने में कोई कमी नहीं छोड़ी। सोनू ने भी अपने पिता के संघर्ष को प्रेरणा बनाते हुए सेना में भर्ती होने का सपना देखा और उसे साकार करने के लिए दिन-रात मेहनत की।

प्रतिदिन सुबह 3 बजे उठकर रामद्वारा के तक दौड़ लगाना, नियमित व्यायाम करना और खुद को शारीरिक व मानसिक रूप से मजबूत बनाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। उनकी इसी लगन, अनुशासन और अथक परिश्रम का परिणाम रहा कि उनका चयन भारतीय सेना में हुआ। सोनू ने एएससी सेंटर (नॉर्थ), बेंगलुरु में 5 जनवरी से 21 जून तक छह माह का कठोर सैन्य प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया। 10वीं उत्तीर्ण बैच के आधार पर सेना में चयनित सोनू शैक्षणिक रूप से 12वीं पास हैं। उनकी सफलता क्षेत्र के युवाओं के

लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।

प्रशिक्षण पूरा कर आज पहली बार शाहपुरा लौटने पर सोनू धाकड़ का भव्य स्वागत किया गया। शाहपुरा में उनके सम्मान में धूमधाम से जुलूस निकाला गया।जिसमें बड़ी संख्या में युवा, परिजन, मित्र एवं क्षेत्रवासी शामिल हुए। पूरे मार्ग में देशभक्ति के नारों की गूंज सुनाई दी और लोगों ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

जगह-जगह स्वागत द्वार लगाए गए तथा नागरिकों ने मालाएं पहनाकर सोनू का सम्मान किया। इस दौरान पटाखे छोड़े गए, मिठाइयां बांटी गईं और लोगों ने ढोल-नगाड़ों की थाप पर खुशी का इजहार किया। पूरे क्षेत्र में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

ग्रामीणों ने कहा कि टेंपो चालक के बेटे का सेना में चयन यह साबित करता है कि मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर कोई भी युवा अपने सपनों को साकार कर सकता है। सोनू की सफलता ने क्षेत्र के युवाओं में नया उत्साह और देशसेवा की भावना जगाई है।

आज शाहपुरा का यह लाल ने केवल अपने परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गया है। सोनू धाकड़ की सफलता यह संदेश देती है कि सच्ची लगन, कठोर परिश्रम और मजबूत इरादों के आगे हर कठिनाई छोटी पड़ जाती है। स्वागत के दौरान धाकड़ समाज के लक्ष्मी नारायण मंदिर से जुलूस प्रारंभ होकर कालिंजरी गेट होते हुए शिक्षक कॉलोनी होते हुए उनके घर तक पहुंचा। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष रामेश्वर लाल धाकड़, खाना राम धाकड़, भगवत सिंह लूलास, भेरूलाल धाकड़, मगनलाल धाकड़, हितेश धाकड़,मोती लाल धाकड़, राजू लाल धाकड़, शोभा लाल धाकड़, शंकर लाल धाकड़, गौरव धाकड़, धनराज धाकड़, रामलाल धाकड़, कैलाश पटेल, हेमराज धाकड़ , किशन धाकड़ कई प्रबुद्ध जनों के साथ सैकड़ो महिलाएं भी थी।

## भारत विकास परिषद चेतक शाखा ने वाटर कूलर भेंट किया

स्मार्ट हलचल | उदयपुर

भारत विकास परिषद की चेतक शाखा, उदयपुर द्वारा सामाजिक सरोकार एवं जनसेवा के तहत शास्त्री सर्किल स्थित दाताराम हनुमान मंदिर में राहगीरों और श्रद्धालुओं को वर्षभर शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक वाटर कूलर मंदिर समिति को समर्पित किया गया। शाखा अध्यक्ष रजनीकांत मनावत ने बताया कि यह सेवा कार्य शाखा की महिला संस्कार संयोजिका रेणु गोयल एवं एम.एल. गोयल की प्रेरणा और सहयोग से सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा कि भारत विकास परिषद सदैव सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना के साथ समाजहित के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाती रही है तथा भविष्य में भी जनकल्याणकारी गतिविधियों का क्रम जारी रहेगा।

वाटर कूलर समर्पण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने इस पहल को गर्मी के मौसम में आमजन के लिए उपयोगी बताते हुए इसकी सराहना की। कार्यक्रम में शाखा अध्यक्ष रजनीकांत मनावत, महामंत्री हसमुख जैन एवं सुरेश जागेटीया ने सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। महामंत्री हसमुख जैन ने बताया कि इस अवसर पर मयंक डोशी एवं सुधीर वोरा ने शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। कार्यक्रम में एल.एन. शर्मा, के.एल. शर्मा, आर. सी. पुरोहित, महिला संयोजिका उषा पुरोहित सहित अन्य लोग मौजूद थे।

# चारों ओर गूंजा णमोकार मंत्र, नवीन वेदी पर विराजे 1008 पार्श्वनाथ भगवान

**भव्य शोभायात्रा के साथ शाहपुरा पहुँची नवीन जिन प्रतिमा, जैन समाज में उमड़ा आस्था का सैलाब, अभिषेक और शांतिधारा से हुआ मंगल अनुष्ठान, 48 दीपकों से सजी भक्तामर महाआरती**

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा।** शाहपुरा नगरी गुरुवार को जैन धर्म की अनुपम आस्था, अनुशासन और आध्यात्मिक गरिमा की साक्षी बनी, जब सकल दिगंबर जैन समाज शाहपुरा के तत्वावधान में नवनिर्मित जैन मंदिर में 1008 पार्श्वनाथ भगवान की नवीन मनोहारी जिन प्रतिमा को नवीन वेदी पर विधि-विधान के साथ विराजमान किया गया। इस ऐतिहासिक और पुण्यमयी अवसर पर पूरा नगर भक्ति, श्रद्धा और उत्साह के रंग में रंगा नजर आया।

सुबह से ही समाजजनों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। मंदिर प्रांगण में भगवान के जयकारों और णमोकार मंत्र की मंगलध्वनि वातावरण को पवित्र बना रही थी। श्रद्धालुओं के चेहरे पर अपार उल्लास और आत्मिक शांति स्पष्ट झलक रही थी। कार्यक्रम का शुभारंभ वेंदो के मंदिर से हुआ, जहां नवीन जिन प्रतिमा को अत्यंत श्रद्धा और सम्मान के साथ पालकी में विराजमान किया गया।

इसके बाद बैण्ड-बाजों की मधुर स्वर लहरियों और मंगल वाद्यों के बीच भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में समाज के श्रावक-श्राविकाएं पारंपरिक वेशभूषा में बड़ी संख्या में शामिल हुए। पीले मंदिर वस्त्रों में सुसज्जित 10 श्रावकों ने पालकी को अपने कंधों पर उठाया, वहीं 6 श्रावकों ने पाषाण निर्मित 1008 पार्श्वनाथ भगवान की नवीन प्रतिमा को वाहन पर विराजमान कर शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई।

यह भव्य यात्रा वेंदो का मंदिर, कालाभाटा मंदिर, बालाजी की छतरी, सदर बाजार, त्रिमूर्ति चैराहा, नया बाजार और कोठार मोहल्ला होते हुए नवनिर्मित मंदिर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। नगरवासियों ने पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया। पूरा वातावरण 'पार्श्वनाथ भगवान की जय' के जयघोष से गूंज उठा।

नवनिर्मित मंदिर पहुंचने पर प्रतिमा स्थापना का मुख्य अनुष्ठान प्रारंभ हुआ। प्रतिष्ठाचार्य पंडित लादूलाल जैन के सानिध्य में नवीन वेदी और प्रतिमा का शुद्धिकरण किया गया। शुभ मुहूर्त में वेदी पर केसर से स्वास्तिक अंकित कर अत्यंत विधिपूर्वक 1008 पार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमा विराजमान

कराई गई। यह प्रतिमा विशेष रूप से मनोहारी और दिव्य आभा से युक्त रही, जिसके दर्शन कर श्रद्धालु अभिभूत हो उठे। उल्लेखनीय है कि इस प्रतिमा का पंचकल्याणक महोत्सव गुना मध्यप्रदेश में सम्पन्न हुआ था।

प्रतिमा स्थापना के पश्चात समस्त उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं ने सामूहिक रूप से णमोकार मंत्र का जाप किया। मंत्रोच्चार से मंदिर परिसर आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो उठा। इसके बाद प्रथम अभिषेक और शांतिधारा का सौभाग्य सेठी परिवार को प्राप्त हुआ, जो इस पूरे आयोजन के पुण्यार्जक परिवार भी रहे।

विशेष बात यह रही कि जैन समाज की परंपरा और शास्त्रीय मर्यादा के अनुरूप भगवान का अभिषेक केवल शुद्ध जल से ही किया गया। दिगंबर जैन परंपरा में जिनेंद्र भगवान पर जलाभिषेक आत्मशुद्धि, निर्मलता और वैराग्य का प्रतीक माना जाता है। यह केवल बाह्य अनुष्ठान नहीं, बल्कि भीतर के विकारों को धोकर आत्मा को पवित्र बनाने का आध्यात्मिक संदेश भी देता है। इसी पावन भावना के साथ उपस्थित श्रद्धालुओं ने गहन श्रद्धा से अभिषेक किया।

तत्पश्चात समाज के सभी श्रावकों द्वारा 108 कलशों से अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। जैसे-जैसे कलशों से जलधारा भगवान पर अर्पित होती गई, वैसे-वैसे वातावरण में भक्ति और शांति की अद्भुत अनुभूति गहराती चली गई। मंदिर परिसर में उपस्थित हर श्रद्धालु मानो आत्मिक आनंद में डूब गया। सायंकाल कार्यक्रम का एक और अलौकिक दृश्य देखने को मिला, जब 48 दीपकों से भक्तामर महाआरती की गई। दीपों की स्वर्णिम आभा, मंत्रोच्चार की दिव्यता और भक्तामर स्तोत्र की गूंज ने पूरे मंदिर को आध्यात्मिक प्रकाश से आलोकित कर दिया। महाआरती के दौरान उपस्थित श्रद्धालु भक्ति भाव से झूम उठे।

समाज अध्यक्ष आनंद सेठी ने बताया कि नवीन जिन प्रतिमा और नवीन वेदी पर 1008 पार्श्वनाथ भगवान की स्थापना जैन समाज के लिए अत्यंत गौरव और हर्ष का विषय है। इस आयोजन को सफल बनाने में समाज के प्रत्येक सदस्य का अमूल्य सहयोग रहा। उन्होंने पुण्यार्जक परिवार के प्रति विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में संस्कार, समर्पण और एकता को सुदृढ़ करते हैं।

समाज के महेन्द्र जैन ने बताया कि भगवान की पालकी यात्रा में पूरे नगर ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और हर मार्ग पर श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। उन्होंने कहा कि यह आयोजन केवल प्रतिमा स्थापना का कार्यक्रम नहीं, बल्कि जैन संस्कृति, आस्था और परंपरा का जीवंत उत्सव था। नवरतन जैन ने बताया कि गुरुवार का यह दिन शाहपुरा के जैन समाज के लिए इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में दर्ज हो गया। नवीन मंदिर में 1008 पार्श्वनाथ भगवान की स्थापना ने न केवल धार्मिक उल्लास को नई ऊंचाई दी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए श्रद्धा, संयम और धर्म साधना का प्रेरणास्त्रोत भी स्थापित किया। भगवान पार्श्वनाथ की शांत, करुणामयी और तपस्वी प्रतिमा मानो हर श्रद्धालु को यही संदेश दे रही थी। अहिंसा, संयम और आत्मकल्याण ही जीवन का सच्चा मार्ग है।

# मजदूर संवाद बैठक में श्रमिक समस्याओं एवं कल्याणकारी योजनाओं पर मंथन

**उप श्रम आयुक्त ने श्रम सेतु एवं लेबर चौक एप्लीकेशन की दी जानकारी, श्रमिक हितों के संरक्षण पर दिया जोर**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** उप श्रम आयुक्त की अध्यक्षता में गुरुवार को कार्यालय उप श्रम आयुक्त में विभिन्न श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ मासिक 'मजदूर संवाद' बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्रमिकों से संबंधित विभिन्न समस्याओं, चुनौतियों एवं उनके समाधान के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। श्रमिक प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों एवं मांगों पर विचार-विमर्श करते हुए श्रमिक हितों के संरक्षण तथा उनके कल्याण के लिए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। उप श्रम आयुक्त ने बैठक के दौरान श्रम विभाग द्वारा लॉन्च किए गए 'श्रम सेतु' एवं 'लेबर चैक' एप्लीकेशन के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि इन डिजिटल प्लेटफॉर्मों के माध्यम से श्रमिकों को विभिन्न श्रम कल्याणकारी योजनाओं, रोजगार के अवसरों तथा विभागीय सेवाओं तक सरल, पारदर्शी एवं त्वरित पहुंच उपलब्ध होगी।

उन्होंने श्रमिक प्रतिनिधियों से इन एप्लीकेशनों का अधिकतम उपयोग करने तथा श्रमिकों के बीच इनके प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। बैठक में श्रमिकों के सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की गई तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। बैठक में श्रमिक यूनियनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए, जिन पर विभागीय स्तर पर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया गया।

# श्री वर्धमान सेवा समिति बिजयनगर द्वारा निशुल्क आयुर्वैदिक चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन

स्मार्ट हलचल

**बिजयनगर।** गुरुवार को होटल संचेती पैलेस मिल चौक विजयनगर में श्री वर्धमान सेवा समिति विजयनगर एवं कृष्ण गोपाल आयुर्वैदिक (धार्मिक ट्रस्ट) पर्वतपुरा अजमेर एवं कालेडा के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं परामर्श शिविर आयोजित हुआ जिसमें विभिन्न गावों एवं विजयनगर से पधारे हुए सभी प्रकार के रोगियों को वैद्य अशोक कुमार शर्मा ने परामर्श करके उपचार किया तथा उप वेद्य दिनेश सैन परिचालक सत्यनारायण ने औषधीय तैयार करके निशुल्क वितरित की। इस शिविर में 85 रोगी लाभान्वित हुए।शिविर में रोगियों की बी पी की जांच भी की गई ।श्री वर्धमान सेवा समिति के पदाधिकारी संरक्षक घेवरचंद जैन भागचंद चोपड़ा अध्यक्ष अनिल संचेती मंत्री मुकेश बिलवाड़ीया कार्याध्यक्ष नोरतमल भंडारी कोषाध्यक्ष धन्नालाल बोहरा उपाध्यक्ष वृद्धिचंद पीपाड़ा व बीरदीचन्द पीपाड़ा केसरिया ज्वेलर्स दिलीप तलेसरा उपमंत्री राकेश चोपड़ा सह कोषाध्यक्ष प्रिंस सुराणा तथा शिविर प्रभारी श्रीमान ज्ञान बडोला हर्षित संचेती श्रेयांश तातेड तथा सदस्यों ने अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान की।शिविर प्रातः सुबह 9. 30 बजे से दोपहर 3.30 तक रहा। शिविर स्थल अनिल जी जैन सुपुत्र स्वर्गीय जीवराज संचेती विजयनगर ने सभी सुविधाओं

के साथ निशुल्क उपलब्ध करवाया शिविर समापन के समय वैद्य स्टाफ का वर्धमान सेवा समिति सदस्यो द्वारा बहुमान किया गया।

शिविर के लाभार्थी परिवार-मधुसुदन सुदर्शन संजय चौधरी परिवार ट्रस्टी श्री कानसिंह-लीलादेवी चौधरी चेरीटेबल ट्रस्ट कोठिया वाले

# निर्जला एकादशी पर मंदिर बने श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का केंद्र

**गूंजे भगवान विष्णु के जयकारे, ग्यारस माता मंदिर, चारभुजा नाथ बडा मंदिर, खाटूश्याम मंदिर में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़**

स्मार्ट हलचल

**भीलवाड़ा।** ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की पावन निर्जला एकादशी के अवसर पर गुरुवार को भीलवाड़ा शहर सहित जिले भर के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। प्रातःकाल से ही ग्यारस माता मंदिर, चारभुजा नाथ बडा मंदिर, खाटूश्याम मंदिरों में भगवान श्रीहरि विष्णु के जयकारों, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि एवं देश की खुशहाली की कामना की। शहर का प्रसिद्ध ग्यारस माता मंदिर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का केंद्र बना रहा। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भगवान श्रीहरि विष्णु एवं ग्यारस माता के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर ग्यारस माता के दर्शन किए और मंगल गीत गाए, जिससे मंदिर परिसर का माहौल अत्यंत भक्तिमय हो गया।

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर प्रबंधन द्वारा दर्शन एवं व्यवस्थाओं के विशेष प्रबंध किए गए। मंदिर परिसर में शीतल पेयजल, छाया एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। दिनभर दर्शनार्थियों का तांता लगा रहा और देर शाम तक मंदिर परिसर में धार्मिक गतिविधियां जारी रहीं। चारभुजा नाथ बडा मंदिर के पंडित विकास व मनीश पाराशर ने बताया की निर्जला एकादशी को भगवान विष्णु को समर्पित वर्ष की सर्वाधिक पुण्यदायी एकादशियों में माना जाता है, जिसके कारण मंदिर में विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। मंदिर में सुबह से ही भजन-कीर्तन, विष्णु सहस्त्रनाम पाठ एवं आरती का आयोजन हुआ। श्रद्धालुओं ने भगवान विष्णु को तुलसी दल, पुष्प एवं फल अर्पित कर विधिवत पूजा की। दर्शन के लिए लगी लंबी कतारों के बावजूद श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का भाव स्पष्ट दिखाई दिया। कई श्रद्धालुओं ने निर्जल व्रत रखकर धर्म एवं आस्था के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। चारभुजा नाथ बडा मंदिर में दर्शन करने पहुंची श्रद्धालु चंद्रा तोषणीवाल व प्रिति काल्या ने कहा कि निर्जला एकादशी का व्रत भगवान विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त करने का अवसर है। उन्होंने बताया कि इस दिन दर्शन और पूजा करने से मन को शांति एवं आध्यात्मिक संतोष मिलता है। वे प्रतिवर्ष निर्जला एकादशी पर व्रत रखकर मंदिर में दर्शन करने आते हैं और परिवार की खुशहाली की प्रार्थना करते हैं।

**नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रमेश सेन के मुद्दा उठाने पर प्रशासन हरकत में आया**

# बुधवार देर रात मुख्य बाजार की सड़कों की मरम्मत शुरू

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)।** शाहपुरा-शहर के मुख्य बाजार क्षेत्र में लंबे समय से जर्जर और गड्ढों से भरी सड़कों को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रमेश सेन एवं निवर्तमान नगर पालिका नेता प्रतिपक्ष रचना मिश्रा द्वारा लगातार आवाज़ उठाए जाने के बाद प्रशासन हरकत में आया और बुधवार देर रात सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू कर दिया गया। नगर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने खड़े रहकर करवाया काम शुरू इस दौरान नगर अध्यक्ष रमेश सेन,निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष रचना मिश्रा, पूर्व पार्षद ओम सेन, नाथु कोली, ओम सिंधी, अमजद खान, आजाद खान, सुनील मिश्रा, मुन्ना खान, वैभव मिश्रा आदि मौजूद थे। प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया।

नगर कांग्रेस अध्यक्ष रमेश सेन ने कहा कि मुख्य बाजार की सड़कों की खराब स्थिति के कारण आमजन, व्यापारियों और विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई थी, इसलिए इस गंभीर जनसमस्या को प्रमुखता से उठाकर प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई थी।

उन्होंने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोपरि है और जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस हमेशा मजबूती से अपनी आवाज़ उठाती रहेगी। देर रात मरम्मत कार्य शुरू होना इस बात का प्रमाण है कि जनता की आवाज़ को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।

रमेश सेन ने कहा कि यह केवल शुरुआत है। शहर की सभी क्षतिग्रस्त सड़कों का स्थायी समाधान होने तक नगर कांग्रेस कमेटी लगातार निगरानी रखेगी और आमजन के हितों के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

'जनहित के मुद्दों पर कांग्रेस की आवाज़ बुलंद थी, है और रहेगी। जनता की सुरक्षा और सुविधाओं से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

# केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिला राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ का प्रतिनिधिमंडल, शिक्षक एवं उच्च शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर हुई विस्तृत चर्चा

स्मार्ट हलचल

**शाहपुरा (भीलवाड़ा)।** शाहपुरा-अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट कर विद्यालयी एवं उच्च शिक्षा से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की तथा शिक्षक समाज एवं शिक्षा जगत की प्रमुख चिंताओं और अपेक्षाओं से उन्हें अवगत कराया।

बैठक में वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर शिक्षक पात्रता परीक्षा ('श्व') की अनिवार्यता के विषय को प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षक समाज की चिंताओं, विधिक तथ्यों, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों तथा मानवीय पक्ष को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए आग्रह किया कि लंबे समय से सेवाएँ दे रहे शिक्षकों के हितों की रक्षा करते हुए इस विषय पर न्यायसंगत,

व्यावहारिक एवं संवेदनशील निर्णय लिया जाए।

प्रतिनिधिमंडल ने विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक, 2025 के संबंध में भी महासंघ के सुझाव एवं अपेक्षाएँ मंत्री महोदय के समक्ष रखीं। चर्चा के दौरान उच्च शिक्षा में संस्थागत स्वायत्तता, गुणवत्ता संवर्धन, शिक्षक हितों का संरक्षण, पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व, राज्यों एवं विभिन्न हितधारकों की सहभागिता, अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहन तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन से जुड़े विषयों पर विशेष बल दिया गया।महासंघ ने सुझाव दिया कि प्रस्तावित विधेयक को ऐसा स्वरूप दिया जाए जो भारतीय उच्च शिक्षा व्यवस्था को अधिक सक्षम, समावेशी, उत्तरदायी एवं राष्ट्रहितकारी बना सके।

बैठक में उच्च शिक्षा एवं शिक्षकों से जुड़े विभिन्न लंबित विषयों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने कैरियर एडवांसमेंट स्कीम (छ्रस) में आ रही समस्याओं, पीएच.डी. हेतु कार्यरत शिक्षकों के समक्ष उपस्थित कठिनाइयों, शोध परियोजनाओं एवं शोध अनुदान की उपलब्धता, विशेष रूप से महाविद्यालयों एवं छोटे राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए अनुसंधान अवसरों के विस्तार, उच्च शिक्षा संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं एवं मानव संसाधनों की आवश्यकता, रिक्त पदों की शीघ्र पूर्ति, संस्थागत स्वायत्तता तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों को प्रमुखता से रखा। महासंघ ने इन विषयों पर आवश्यक नीतिगत हस्तक्षेप एवं समयबद्ध समाधान का आग्रह किया।महासंघ के प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता, महामंत्री प्रो. गीता भट्ट, संगठन मंत्री महेंद्र कपूर, सह संगठन मंत्री जी. लक्ष्मण, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार, विद्यालय शिक्षा प्रभारी शिवानंद सिंदनकेरा तथा अतिरिक्त महामंत्री मोहन पुरोहित सम्मिलित थे।

# करंट की चपेट में आने से दो भैंसों की मौत, किसान को लाखों का नुकसान

स्मार्ट हलचल | लाखेरी

लाखेरी उपखंड क्षेत्र के बालापुरा गांव में विद्युत लाइन का तार टूटकर गिरने से दो भैंसों की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना में पशुपालक को करीब दो लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। जानकारी के अनुसार बालापुरा निवासी जोधराज गुर्जर की दो भैंसें चरने के लिए गई हुई थीं। इसी दौरान 11 केवी विद्युत लाइन का तार अचानक टूटकर जमीन पर गिर गया। करंट प्रवाहित तार की चपेट में आने से दोनों भैंसों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो गया। पशु मालिक ने बताया कि मृत भैंसों की कीमत करीब 80 हजार से एक लाख रुपये प्रति भैंस थी। दोनों पशुओं की कुल कीमत लगभग दो लाख रुपये आंकी जा रही है, जिससे परिवार को भारी आर्थिक क्षति हुई है। घटना की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के सहायक अभियंता श्रीलाल जाटव एवं कनिष्ठ अभियंता राकेश मीणा मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि लाइन का इंसुलेटर पंचर होने के कारण तार टूटकर नीचे गिर गया था। उसी समय वहां से गुजर रही भैंसें करंट की चपेट में आ गईं। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू कर दी है। वहीं ग्रामीणों ने पीड़ित पशुपालक को उचित मुआवजा दिलाने कि मांग कि है।

# जिला कलेक्टर द्वारा शहरी सेवा शिविर भवानीमण्डी का औचक निरीक्षण

स्मार्ट हलचल

**भवानी मंडी।** नगर पालिका भवानीमण्डी द्वारा आश्रय स्थल जवाहर कॉलोनी भवानीमण्डी में आयोजित किये जा रहे शहरी सेवा शिविर 2026 के दौरान जिला कलेक्टर अजय सिंह राठौड़ द्वारा औचक निरीक्षण किया। तथा शिविर की प्रगति के बारे में जानकारी ली।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कैम्प में आने वाले आवेदको से उनकी समस्याओं की जानकारी ली। अधिशाषी अधिकारी शम्भूलाल मीणा ने बताया कि आज कैम्प में जिला कलेक्टर द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान को कैम्प की प्रगति एवं पत्रावलियों के निस्तारण की जानकारी दी गयी। शिविर के दौरान कृषि भूमि पर बसी कॉलोनी के पट्टे, 69ए तथा नामान्तरण के कुल 121 प्राप्त आवेदनों में से 66 पत्रावलियों का निस्तारण कर आवेदकों को लाभान्वित किया जा चुका है। पालिका द्वारा पूर्व में जारी पट्टों के नवीनीकरण व नवीजन से शेष पट्टो का मौके पर ही निस्तारण किया जाकर कैम्प में प्राप्त सभी 13 आवेदनों का निस्तारण किया जाकर आमजन को लाभान्वित किया गया। भवन निर्माण स्वीकृति की 16 प्राप्त पत्रावलियों में से 6 का निस्तारण किया जा चुका है शेष में राशि जमा होने पर निरस्तारण किया जायेगा।

कैम्प के दौरान आमजन को सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध करवायी जा रही है। कैम्प के दौरान पूर्व में जारी पट्टो को समर्पण उपरान्त पुनः जारी करने, धारा 69क, लीज नामान्तरण, उपविभाजन, जन्म मृत्यु विवाह प्रमाण पत्र, भवन निर्माण आदि के 16 आवेदन प्राप्त हुए है। झूलते तारो व मीटर समस्या तथा रोड लाईट खराब होने के 2-2 प्रकरण, नल कनेक्शन का 01 आवेदन, पशु विग्रह के 3 प्रकरण सहित कैम्प में 30 प्रकरणों में से 9 निस्तारण मौके पर ही किया गया। स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपस्थित जनों में 12 की रक्तचाप तथा 4 की शुगर की जांच की गयी।

# बिजोलिया में आत्मा योजनांतर्गत खरीफ पूर्व कृषक गोष्ठी आयोजित

## विधायक खंडेलवाल ने किसानों को दिए वैज्ञानिक खेती के सुझाव

स्मार्ट हलचल

**बिजौलियाँ।** कृषि विभाग की आत्मा योजनांतर्गत एक दिवसीय खरीफ पूर्व कृषक गोष्ठी का आयोजन पंचायत समिति सभागार, बिजोलिया में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मांडलगढ़ विधायक गोपाल लाल शर्मा रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा बिजोलिया मंडल अध्यक्ष राजेंद्र कुमार बंजारा ने की।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विकास अधिकारी अशेष शर्मा, भाजपा पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज गोधा, भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुनील कुमार जोशी, पूर्व नगर अध्यक्ष शांतिलाल जोशी, पूर्व सहायक कृषि अधिकारी उदयलाल कोली, पूर्व जिला परिषद प्रत्याशी विठ्ठल तिवारी, मंडल महामंत्री मुकेश धाकड़,पंकज विजय,विधानसभा सोशल मीडिया संयोजक कालु कुमार पुरी,उमाशंकर वैष्णव, राजू अहीर, राजू सुथार, देवीलाल कोली सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं किसान उपस्थित रहे। विधायक

गोपाल खंडेलवाल ने किसानों को संबोधित करते हुए समय पर फसलों की बुवाई करने, मृदा नमूना परीक्षण करवाने तथा कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तकनीकी सलाह के अनुसार खेती करने का सुझाव दिया। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र किसान तक नियमानुसार पहुंचाया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

गोष्ठी में ब्लॉक क्षेत्र के लगभग 100 किसानों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व सहायक कृषि अधिकारी उदयलाल कोली ने किया। उन्होंने विधायक के समक्ष कृषि विभाग के लिए सभा भवन निर्माण, प्रत्येक ग्राम पंचायत में कृषि पर्यवेक्षक पद स्वीकृत करने, उद्यान विभाग में सहायक कृषि अधिकारी एवं कृषि पर्यवेक्षक के पद स्वीकृत कराने, बिजोलिया ब्लॉक स्तर पर कृषि अधिकारी का पद स्वीकृत कराने तथा मृदा परीक्षण प्रयोगशाला निर्माण की मांग रखी। कार्यक्रम में सहायक कृषि अधिकारी ललित कुमार धाकड़, कृषि पर्यवेक्षक राधेश्याम बलाई, विमला कुमारी खटीक, तरुण कुमार मीणा, दिनेश कुमार धाकड़, ओम हरि शर्मा तथा आत्मा योजना के सभी कृषक मित्र उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के पश्चात विधायक गोपाल खंडेलवाल ने पंचायत समिति प्रांगण में 'एक पेड़ मां के नाम' महाअभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण एवं हरित भविष्य का संदेश दिया।

# कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान का कोटा से किया शुभारंभ

**शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे और पेपर लीक माफिया की जांच की मांग-जिग्नेश मेवानी**

**भाजपा सरकार की लापरवाही के चलते पेपर लीक ने छात्रों की मेहनत को तार तार कर कुचल दिया-राखी गौतम**

स्मार्ट हलचल | कोटा

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'छात्रों की गूंज' अभियान का शुभारंभ आज कोटा में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता के साथ सर्किट हाउस में किया गया। इस 40 दिन के अभियान के तहत देश के 28 प्रमुख शहरों में छात्र, अभ्यर्थी, कोचिंग हब और कॉलेज कैंपस में संपर्क किया जाएगा।

कोटा में आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्य वक्ता के रूप में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त कोटा संयोजक एवं गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष, विधायक जिग्नेश मेवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

## कांग्रेस की 3 मुख्य मांगें रखी

1. शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। पेपर लीक माफिया, वेंडर एजेंसियों और राजनीतिक संरक्षण की निष्पक्ष जांच हो।

2. पूरी परीक्षा व्यवस्था का ओवरहॉल हो। एनटीए, पेपर सेटिंग, प्रिंटिंग, ट्रांसपोर्ट, परीक्षा केंद्र और वेंडर कॉन्ट्रैक्ट की जांच हो।

3. तय वार्षिक परीक्षा और भर्ती कैलेंडर लागू हो। परीक्षा तिथि, रिजल्ट और नियुक्ति की समयसीमा पहले घोषित हो। 20 से अधिक छात्र आत्महत्या कर चुके हैं, लाखों का भविष्य दांव पर है, फिर भी शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान कुर्सी से चिपके हुए हैं। जब मंत्री खुद कह रहे हैं कि 'छात्रों की आत्महत्या के लिए मैं जिम्मेदार हूं', तो इस्तीफा देने में शर्म क्यों? पेपर लीक माफिया और उनके राजनीतिक संरक्षक बेनकाब होंगे। 'छात्रों की गूंज' अब सड़कों से दिल्ली संसद तक गूंजेगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नैतिकता के आधार पर हर हालात में इस्तीफा देना ही पड़ेगा।

शहर जिलाध्यक्ष राखी गौतम ने कहा कि कोटा कोचिंग की राजधानी है।देश भर से कोने कोने से हजारों छात्र छात्राये कोटा में पड़ने आते हैं यहां हर गली में एक छात्र अपने सपने लेकर रहता है। लेकिन भाजपा सरकार ने उनकी मेहनत को पेपर लीक से कुचल दिया है। कोटा के छात्रों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा। जिला कांग्रेस कमेटी छात्रों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस लड़ाई को आगे ले जाएगी। 1 अगस्त को कलेक्ट्रेट घेराव में कोटा के हर छात्र की आवाज़ होगी।

देहात अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने कहा कि पेपर लीक अब एक घटना नहीं, भाजपा का सिस्टम बन गया है। 10 साल में 89 पेपर लीक, 6.5 करोड़ छात्र प्रभावित। ये आंकड़े चीख-चीख कर कह रहे हैं कि शिक्षा व्यवस्था ढ्रुष्ट में है। गांव का किसान कर्ज लेकर बच्चे कोचिंग भेजता है, और बदले में उसे पेपर लीक मिलता है। यह अन्याय अब नहीं चलेगा। देहात का हर युवा 'छात्रों की गूंज' अभियान के साथ खड़ा है। कांग्रेस कमेटी के जिला महासचिव डॉ विजय सोनी ने बताया कि सर्किट हाउस प्रेसवार्ता में प्रमुख रूप से पीसीसी महासचिव जिला प्रभारी पुष्पेंद्र भारद्वाज,खेल प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष आमीन पठान , निवर्तमान उपमहापौर पवन मीणा,महासचिव डॉ विजय सोनी युवा कांग्रेस अध्यक्ष मौजूद्दीन गुड्डू , एनएसयूआई जिलाध्यक्ष विशाल मेवाड़ा,आईटी सेल देहात अध्यक्ष प्रदीप सुमन आदि मौजूद रहे।

# मेवाड़ की पावन धरा पर धर्ममय वातावरण में संपन्न हुआ भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव

स्मार्ट हलचल | निंबाहेड़ा

मेवाड़ की पुण्यभूमि निंबाहेड़ा में पारख परिवार के सान्निध्य में आयोजित श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हो रहा है। प्रतिष्ठा महोत्सव के चतुर्थ दिवस गुरुवार को शुभ मुहूर्त में भगवान श्री शंखेश्वर पार्श्वनाथ, श्री मुनिसुव्रत स्वामी, श्री नाकोड़ा भैरवदेव एवं श्री पद्मावती माताजी सहित विभिन्न देव-देवियों की प्रतिमाओं की भव्य प्रतिष्ठा विधि सम्पन्न हुई।

प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे तथा जिनशासन के जयघोषों एवं मंगलमय धार्मिक अनुष्ठानों से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा। आचार्य भगवंत पूज्य श्री निपुणरत्न सूरीश्वरजी महाराज साहब के पावन सान्निध्य एवं मंगल प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को धर्म, संयम एवं सदाचार का संदेश प्रदान किया।

इस अवसर पर राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना पारख परिवार के निवास पर पहुंचे तथा पूज्य आचार्यदेव श्री निपुणरत्न सूरीश्वरजी महाराज साहब से मंगल आशीर्वाद प्राप्त कर प्रतिष्ठा महोत्सव की सफलता एवं क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

कार्यक्रम में निंबाहेड़ा नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाषचन्द्र शारदा, चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ अध्यक्ष पूरन आंजना, छोटी सादड़ी नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमृत बंडी, क्रय-विक्रय सहकारी समिति अध्यक्ष गोपाल आंजना, नगर कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव रवि प्रकाश सोनी, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना,मनोहर सिंह आंजना, सुरेश कृपलानी, बाड़ी कांग्रेस मंडल अध्यक्ष जीवन आंजना, केली कांग्रेस मंडल अध्यक्ष पिंकेश जैन, राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष रोमी पोरवाल, नगर कांग्रेस कमेटी सचिव आशीष अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं श्रद्धालुओं ने भी पूज्य आचार्यश्री से आशीर्वाद प्राप्त कर धर्मलाभ लिया।

# खेत बचाओ अभियान: 400 से अधिक आदिवासी किसानों को मिला वैज्ञानिक खेती व आधुनिक पशुपालन का प्रशिक्षण

स्मार्ट हलचल

**प्रतापगढ़।** धरियावद उपखंड क्षेत्र में केंद्रीय भेड़ एवं ऊन अनुसंधान संस्थान, अविकानगर द्वारा अनुसूचित जनजाति उपयोजना ('स्क) के तहत 'खेत बचाओ अभियान' का भव्य आयोजन किया गया। जवाहरनगर पंचायत भवन में आयोजित इस रात्रि चौपाल एवं किसान-वैज्ञानिक संगोष्ठी में क्षेत्र के 400 से अधिक आदिवासी किसानों ने भाग लिया। संस्थान के निदेशक डॉ. अरुण कुमार तोमर के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को वैज्ञानिक खेती और आधुनिक पशुपालन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई।रासायनिक खादों को छोड़ प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान। मुख्य अतिथि विधायक थावरचंद मीणा ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग से मिट्टी की उपजाऊ क्षमता (उर्वरा शक्ति) लगातार कम हो रही है। उन्होंने किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया और सुझाव दिया कि इसकी शुरुआत वे अपने घर में उपयोग होने वाली सब्जियों, फलों और खाद्यान्नों के उत्पादन से कर सकते हैं। इससे मिट्टी का स्वास्थ्य बेहतर होगा और खेती की लागत में भी कमी आएगी। आधुनिक तकनीकों का अवलोकन। विधायक ने बताया कि जनवरी 2026 में उन्होंने अविकानगर संस्थान का दौरा किया था, जहाँ उन्होंने भेड़ एवं बकरी पालन की आधुनिक तकनीकों को देखा। संस्थान द्वारा विकसित ये तकनीकें इस क्षेत्र के किसानों की आय बढ़ाने में बेहद उपयोगी साबित हो सकती हैं। टीएसपी नोडल अधिकारी डॉ. अमरसिंह मीणा ने किसानों को भेड़-बकरी पालन, उन्नत नस्लों के चयन, टीकाकरण, पशु आवास, चारा प्रबंधन तथा मौसम आधारित पशुधन प्रबंधन की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही, कृषि विज्ञान केंद्र प्रतापगढ़ के प्रभारी डॉ. योगेश कनोजिया एवं रमेश कुमार डामोर ने खरीफ फसलों में विविधीकरण और वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों के लाभों पर प्रकाश डाला। डॉ. रंगलाल मीणा ने किसानों को नकली खाद की पहचान करने के तरीके बताए। उन्होंने मिट्टी परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग, जीवामृत के निर्माण तथा प्राकृतिक खेती की तकनीकों की जानकारी दी। संगोष्ठी के दौरान रात्रि चौपाल में किसानों के कृषि और पशुपालन से जुड़े सवालों व समस्याओं का वैज्ञानिकों द्वारा मौके पर ही समाधान किया गया। 108 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी ने किया प्रेरित रात्रि चौपाल में विशेष रूप से उपस्थित 108 वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी महेश कोटेड ने प्राकृतिक खेती और पशुधन संरक्षण पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करने और पर्यावरण के अनुकूल खेती अपनाने की भावुक अपील की। कार्यक्रम के दौरान आयोजित एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले किसानों को बैग, स्टील तसला और भेड़पालन कैलेंडर प्रदान कर सम्मानित किया गया।

## सुन्दरकांड पाठ आज

**चित्तौड़गढ़।** श्री बालाजी मेवाड़ मित्र मण्डल द्वारा शुक्रवार सायं निकटवर्ती ग्राम विजयपुर में हायर सैकण्डरी स्कूल के सामने संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ किया जायेगा।

सुन्दरकांड पाठ में मण्डल के संजय बंसल, दिनेश चन्द्र हेड़ा, विनायक उपाध्याय, विजय सिंह चौधरी, अनुराग काबरा, हनुमान शर्मा, मुकेश उपाध्याय आदि सदस्य अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

इसी प्रकार श्री परशुराम रामायण मंडल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा शुक्रवार सांय 8 बजे से रामद्वारे के पास वर्धमान नगर सिटी में संगीतमय सुंदरकांड पाठ किया जायेगा। संगीतमय सुन्दर कांड पाठ मंडल के अध्यक्ष संरक्षक हरिओम मौड़ के निर्देशन में मुख्य गायक वक्ता जनार्दन मौड़, हिमांशु मौड़, अरुण मौड़, खुशी गर्ग, चतरुलाल न्याति, रमेश चन्द्र सोनी, भैरू लाल दशोरा आदि द्वारा प्रस्तुती दी जायेगी।

# श्री पंचायत बघेरवालान की नई कार्यकारिणी गठित, रमेशचंद जैन दौराया निर्वाचित अध्यक्ष

**श्री पंचायत बघेरवालान चुनाव सम्पन्न, रमेशचंद जैन दौराया अध्यक्ष निर्वाचित**

स्मार्ट हलचल | कोटा

दिगंबर जैन समाज की प्रतिष्ठित संस्था श्री पंचायत बघेरवालान, श्री महावीरजी नेमीश्वरजी, टिपटा-पाटनपोल की नई कार्यकारिणी के गठन के लिए आयोजित चुनाव में वरिष्ठ समाजसेवी रमेशचंद जैन दौराया (रानपुर वाले) अध्यक्ष पद पर निर्वाचित हुए। चुनाव अधिकारी एडवोकेट हुकमचंद जैन ने निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की घोषणा की।

कार्यकारिणी में राजकुमार जैन बगड़ा को महामंत्री तथा जम्बू कुमार जैन बगड़ा को कोषाध्यक्ष चुना गया। निर्वाचन परिणाम घोषित होने के बाद समाज के गणमान्य सदस्यों एवं उपस्थित समाजबंधुओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का अभिनंदन कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। संस्था के पूर्व अध्यक्ष प्रकाशचंद जैन बरमुंडा (मालूजी वाला) ने बताया कि श्री पंचायत बघेरवालान कोटा की ऐसी विशिष्ट धार्मिक संस्था है, जो एक साथ तीन प्रमुख दिगम्बर जैन मंदिरों के संचालन, संरक्षण एवं व्यवस्थाओं का दायित्व निभा रही है। इनमें श्री 1008 शांतिनाथ भगवान दिगम्बर जैन मंदिर, पाटनपोल; श्री 1008 भगवान नेमीश्वर जी मंदिर, टिपटा तथा श्री 1008 भगवान महावीर स्वामी दिगम्बर जैन मंदिर, टिपटा शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि पंचायत वर्षों से इन मंदिरों की धार्मिक परंपराओं, व्यवस्थाओं एवं विकास कार्यों का सफलतापूर्वक संचालन कर रही है। नवगठित कार्यकारिणी से समाज एवं मंदिरों के सर्वांगीण विकास को नई गति मिलने की अपेक्षा व्यक्त की गई।

# मेगा उद्योग शिविर में उमड़े उद्यमी, 8 करोड़ के ऋण आवेदन

**आरएफसी की योजनाओं में बढ़ा भरोसा, 5.50% ब्याज पर 2 करोड़ तक ऋण की जानकारी दी**

स्मार्ट हलचल| किशनगढ़

उद्योग लगाने का सपना देख रहे उद्यमियों के लिए गुरुवार को आयोजित मेगा उद्योग प्रोत्साहन शिविर उम्मीदों का बड़ा मंच साबित हुआ। राजस्थान वित्त निगम (आरएफसी) की ओर से रीको औद्योगिक क्षेत्र स्थित मार्बल एसोसिएशन भवन में आयोजित शिविर में उद्यमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और विभिन्न योजनाओं में रुचि दिखाई। शिविर के दौरान करीब 8 करोड़ रुपए के ऋण आवेदन प्राप्त हुए।

आरएफसी अधिकारियों ने बताया कि निगम की विभिन्न ऋण एवं वित्तीय सहायता योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही मौके पर ही ऋण प्रस्ताव तैयार करने और आवेदन प्रक्रिया पूरी कराने की व्यवस्था की गई थी। उद्योग, होटल, गेस्ट हाउस, अस्पताल, कमर्शियल व रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स सहित विभिन्न सेवा क्षेत्रों में निवेश करने के इच्छुक लोगों ने योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

शिविर में बताया गया कि युवा उद्यमिता प्रोत्साहन योजना के तहत पात्र उद्यमियों को मात्र 5.50 प्रतिशत ब्याज दर पर 2 करोड़ रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि यह योजना युवाओं को स्वरोजगार और नए उद्योग स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर रही है।

### औद्योगिक विकास को मिलेगी गति

जयपुर मुख्यालय से पहुंचे कार्यकारी निदेशक डॉ. हरसहाय मीणा (आईएफएस) ने कहा कि राजस्थान वित्त निगम राज्य में औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि निगम का उद्देश्य केवल ऋण उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उद्यमियों की समस्याओं का समाधान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना भी है। उन्होंने निगम द्वारा एनपीए में कमी लाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए उद्यमियों से योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की। साथ ही कहा कि औद्योगिक निवेश बढ़ने से रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

### बढ़ते विश्वास का संकेत

शिविर में प्राप्त 800 लाख रुपए (8 करोड़ रुपए) के ऋण आवेदन इस बात का संकेत हैं कि क्षेत्र के उद्यमियों का राजस्थान वित्त निगम की योजनाओं पर भरोसा बढ़ रहा है। अधिकारियों ने इसे किशनगढ़ और आसपास के औद्योगिक क्षेत्र में निवेश की बढ़ती संभावनाओं का सकारात्मक संकेत बताया।

# जयपुर में नशे के खिलाफ निकली विशाल वॉकाथॉन, 1260 लोगों ने लिया नशामुक्त राजस्थान का संकल्प

**एनसीबी जोधपुर के क्षेत्रीय निदेशक घनश्याम सोनी के नेतृत्व में आयोजित अभियान में युवाओं को बनाया गया नशामुक्त समाज का प्रहरी, MANAS हेल्पलाइन 1933 के उपयोग का किया आह्वान**

स्मार्ट हलचल| जोधपुर/जयपुर

अंतरराष्ट्रीय ड्रग दुरुपयोग एवं तस्करी विरोधी दिवस के अवसर पर राजस्थान को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से जयपुर में एक भव्य एंटी-ड्रग्स वॉकाथॉन का आयोजन किया गया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जोधपुर जोनल यूनिट और बैंक ऑफ बड़ौदा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान में विभिन्न विभागों, सुरक्षा बलों, शैक्षणिक संस्थानों और सामाजिक संगठनों के लगभग 1260 लोगों ने भाग लेकर नशे के खिलाफ जनजागरण का संदेश दिया। एनसीबी जोधपुर के क्षेत्रीय निदेशक घनश्याम सोनी के नेतृत्व में आयोजित इस वॉकाथॉन की शुरुआत सुबह जयपुर के पाटोदी क्षेत्र से हुई और यह शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए उम्मेद स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने नशे से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश आमजन तक पहुंचाया।

कार्यक्रम में बीएसएफ, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ), राजस्थान पुलिस, पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, एनसीसी, स्काउट्स एंड गाइड्स, विभिन्न शिक्षण संस्थानों, युवा संगठनों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति ने आयोजन की गरिमा बढ़ाई।

अपने संबोधन में क्षेत्रीय निदेशक घनश्याम सोनी ने कहा कि नशे की समस्या केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती भी है। इसके समाधान के लिए सरकार, प्रवर्तन एजेंसियों, शैक्षणिक संस्थानों और समाज के सभी वर्गों को मिलकर कार्य करना होगा। उन्होंने युवाओं से नशे के खिलाफ अभियान के सक्रिय सहभागी बनने का आह्वान किया।

उम्मेद स्टेडियम में आयोजित समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों ने सामूहिक रूप से एंटी-ड्रग्स शपथ ली और नशामुक्त समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया। प्रतिभागियों ने अपने क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाने और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने का भी संकल्प लिया।

घनश्याम सोनी ने नागरिकों से MANAS राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 1933 का उपयोग कर नशा तस्करी, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग तथा संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की। उन्होंने कहा कि जनता का सहयोग नशे के खिलाफ लड़ाई को और अधिक प्रभावी बना सकता है।

कार्यक्रम का समापन 'नशे को कहो ना, जीवन को कहो हां' के प्रेरक संदेश के साथ हुआ। आयोजन में दिखाई गई जनभागीदारी ने यह साबित कर दिया कि राजस्थान को ड्रग-फ्री बनाने की दिशा में समाज का समर्थन लगातार मजबूत हो रहा है।

# ऊकरूंद के विशाल हरिकीर्तन दंगल में गूंजा भक्ति का स्वर, विभिन्न पार्टियों ने सुनाई प्रेरणादायक धार्मिक कथाएं

**हरदौल भगत, कौरव-पांडव बंटवारा, भोला-पार्वती विवाह और अभिमन्यु की वीरता की कथाओं ने बांधा समां**

स्मार्ट हलचल

**मंडावर/दौसा।** ग्राम ऊकरूंद में आयोजित विशाल हरिकीर्तन दंगल समारोह के दौरान पहले दिन धार्मिक कथाओं और भक्ति गीतों की ऐसी अविरल धारा बही कि पूरा क्षेत्र भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। सुबह से देर शाम तक हजारों श्रद्धालु कार्यक्रम स्थल पर डटे रहे और विभिन्न हरिकीर्तन पार्टियों द्वारा प्रस्तुत धार्मिक कथाओं एवं भजनों का आनंद लिया। भगवान के जयकारों और भक्ति संगीत से पूरा पंडाल गूंजता रहा।

कार्यक्रम में सबसे पहले मीना सीमला की हरिकीर्तन पार्टी ने अपनी प्रस्तुति देते हुए हरदौल भगत की कथा का मार्मिक वर्णन किया। कथा के माध्यम से त्याग, बलिदान, सत्यनिष्ठा और लोक कल्याण की भावना का संदेश दिया गया। कथा सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और हरदौल भगत के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।

इसके बाद गुढा बरोली (धौलपुर) की हरिकीर्तन पार्टी ने महाभारत के महत्वपूर्ण प्रसंग कौरव-पांडव के बंटवारे की कथा का विस्तार से वर्णन किया। कथा में अन्याय, अहंकार और सत्ता के मोह के परिणामों को दर्शाते हुए धर्म एवं न्याय के मार्ग पर चलने का संदेश दिया गया। कथा के दौरान श्रोतागण पूरी तन्मयता के साथ जुड़े रहे और कलाकारों की प्रस्तुति की खूब सराहना की।

वहीं खानपुर (करौली) की हरिकीर्तन पार्टी ने भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य मिलन पर आधारित भोला-पार्वती विवाह कथा का सुंदर वर्णन किया। कथा के साथ प्रस्तुत भजनों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान शिव की तपस्या, माता पार्वती की अटूट श्रद्धा और विवाह के दिव्य प्रसंगों का वर्णन सुनकर पूरा पंडाल 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम में नाहरखोहरा की हरिकीर्तन पार्टी ने महाभारत के महान योद्धा अभिमन्यु की वीरता और बलिदान की कथा सुनाई। चक्रव्यूह में अभिमन्यु के अदम्य साहस, शौर्य और धर्म के लिए दिए गए बलिदान का वर्णन सुनकर श्रोता भावुक हो गए। कथा के माध्यम से युवाओं को साहस, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया गया।

दंगल में शामिल सभी पार्टियों ने अपनी मधुर वाणी, भक्ति गीतों और प्रभावशाली कथाओं से श्रद्धालुओं को देर तक बांधे रखा। धार्मिक कथाओं के बीच-बीच में प्रस्तुत किए गए भजन और संकीर्तन कार्यक्रम की विशेष आकर्षण रहे। श्रद्धालु भक्ति रस में डूबकर भगवान का गुणगान करते नजर आए। आयोजक रामफूल मीना (पूर्व सरपंच) ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में संस्कार, नैतिक मूल्यों और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के सहयोग से आयोजित यह दंगल क्षेत्र में धार्मिक एकता और भाईचारे का प्रतीक बन गया है।

कार्यक्रम के दौरान आयोजक समिति द्वारा सभी कीर्तन पार्टियों, अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का सम्मान किया गया। साथ ही श्रद्धालुओं के लिए शिकंजी, शुद्ध पेयजल, फल-फ्रूट एवं जलपान की विशेष व्यवस्था की गई। सेवा कार्य में लगे ग्रामीण पूरे दिन श्रद्धालुओं की सेवा में जुटे रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में जगमोहन मीना (जे.ई.), खुशीराम मीना (ठेकेदार), काडूराम मीना (ठेकेदार) सहित समस्त ग्रामवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देर रात तक चले भजन-कीर्तन और धार्मिक कथाओं के बीच श्रद्धालुओं ने भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया।

# निर्जला एकादशी पर श्याम मित्र मंडल ड्योढ़ी ने की शीतल पेय सेवा

स्मार्ट हलचल

**कोड़ी/ड्योढ़ी।** निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर श्याम मित्र मंडल ड्योढ़ी के तत्वावधान में शीतल पेय सेवा का आयोजन किया गया। भीषण गर्मी को देखते हुए राहगीरों एवं श्रद्धालुओं को शीतल पेय वितरित किया गया, जिससे लोगों को राहत मिली।कार्यक्रम का शुभारंभ श्री ठाकुर जी महाराज कोड़ी के महंत दयाल महाराज गौड़ द्वारा पूजा-अर्चना एवं आरती के साथ किया गया। इस अवसर पर महंत दयाल महाराज गौड़ ने कहा कि निर्जला एकादशी के दिन जलदान का विशेष महत्व है। शास्त्रों में इस दिन किए गए दान एवं सेवा कार्य को अत्यंत पुण्यदायी माना गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सेवा, सहयोग और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं तथा इनका निरंतर आयोजन होना चाहिए।शीतल पेय सेवा कार्यक्रम में धर्मेन्द्र गौड़, लालचंद कुमावत, रामधन कांसोटिया, वीरेंद्र कांसोटिया, महेंद्र प्रजापत, सुभाष सैन, कृष्णा कांसोटिया, मनोज सैन, सोहन कुमावत, नरेंद्र दमामी, रामजीलाल रैगर, सुरेश मीणा, रामजीलाल प्रजापत, तेजपाल यादव, विकास वर्मा एवं गोपाल मीणा सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों ने सेवा कार्य की सराहना करते हुए इसे जनहित एवं धर्मार्थ कार्य बताया। श्याम मित्र मंडल द्वारा आयोजित इस सेवा कार्य ने सामाजिक समरसता एवं मानव सेवा का प्रेरणादायक संदेश दिया।

# सड़क सुरक्षा को लेकर ब्यावर प्रशासन सख्तः ब्लैक स्पॉट्स सुधरेंगे, नियमों के उल्लंघन पर वसूला लाखों का जुर्माना

**अतिरिक्त जिला कलक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न; 295 बाल वाहिनियों की सुरक्षा और ट्रॉमा रिस्पॉन्स टाइम की हुई समीक्षा**

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** ब्यावर जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। गुरुवार को अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति (ष्ठक्रस्ष्ट) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराने और ब्लैक स्पॉट्स (दुर्घटना संभावित क्षेत्रों) में तत्काल सुधार करने के कड़े निर्देश दिए गए।

बैठक में बताया गया कि जिले में कुल 2,965.66 किलोमीटर का व्यापक सड़क नेटवर्क है, जिसमें राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों सहित ग्रामीण और शहरी मार्ग शामिल हैं। एडीएम ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित एजेंसियां चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर विशेष निगरानी रखें और सड़क सुरक्षा ऑडिट के आधार पर सुधारात्मक कार्यों में तेजी लाएं।

### नियम तोड़ने वालों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई

बैठक के दौरान पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा की गई प्रवर्तन कार्यवाहियों के आंकड़े भी सामने रखे गएः पुलिस विभाग की कार्रवाई (20 जून 2026 तक): 7,571 बिना हेलमेट वाहन चालक पकड़े गए। 6,160 वाहन चालकों के ओवरस्पीड (तेज गति) के चालान काटे गए। 2,249 अवैध पार्किंग और 938 मामले शराब पीकर गाड़ी चलाने के दर्ज किए गए। परिवहन विभाग का एक्शनः जून महीने में विशेष अभियान चलाकर 1,022 चालान जारी किए गए, जिससे 54.65 लाख रुपये की शमन राशि (जुर्माना) वसूली गई। ओवरलोड वाहनों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की गई है।

### स्कूली बच्चों की सुरक्षा और चिकित्सा सेवाओं पर नजर

अभिभावकों की चिंता को देखते हुए जिले में पंजीकृत सभी 295 बाल वाहिनियों (स्कूली वाहनों) के नियमित निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही, सड़क दुर्घटना की स्थिति में घायलों को तुरंत मदद पहुंचाने के लिए एम्बुलेंस की उपलब्धता, अस्पतालों की तैयारी और ट्रॉमा रिस्पॉन्स टाइम (घटना के बाद इलाज मिलने का समय) को और बेहतर करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को सख्त निर्देशः एडीएम ब्रह्मलाल जाट ने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सभी विभाग आपसी समन्वय बढ़ाएं और अगली बैठक से पहले अपनी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट पेश करें।

# लाइफलाइन पीस ग्लोबल फाउंडेशन की अनूठी पहल, विवाह समारोह में वर-वधू को उपहार में मिले हेलमेट

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** शादी के पवित्र मंडप में जहाँ जीवन भर साथ निभाने की कसमें खाई जाती हैं, वहीं एक नवदंपति ने समाज के लिए जागरूकता की एक शानदार मिसाल पेश की है। 'लाइफलाइन पीस ग्लोबल फाउंडेशन' की प्रेरणा से एक नवविवाहित जोड़े ने अग्नि को साक्षी मानकर सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन की शपथ ली। यह अनूठी पहल टॉडगढ़ निवासी विजय सिंह की पुत्री निशा और रूपारेल श्री सीमेंट निवासी साजन सिंह के पुत्र मुकेश के विवाह समारोह में देखने को मिली। विवाह की रस्मों के बीच दोनों ने जीवन की नई शुरुआत के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के महत्व को समझते हुए हमेशा यातायात नियमों का पालन करने का संकल्प लिया।

उपहार में मिला 'सुरक्षा कवच'

इस अवसर पर संस्था की कार्यकारी अध्यक्ष निर्मला सामरिया एवं भारती बारूपाल ने नवदंपति को उपहार स्वरूप हेलमेट भेंट किए। यह अनोखा उपहार इस बात का प्रतीक है कि जीवन की सुरक्षा से बड़ा कोई दूसरा शगुन नहीं हो सकता। संस्था के निदेशक एवं राष्ट्रीय महासचिव मनोज बारूपाल ने वर-वधू को यातायात नियमों के पालन की यह महत्वपूर्ण शपथ दिलाई और उन्हें एक सफल, सुरक्षित एवं सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएँ दीं।

विवाह समारोह में उपस्थित सभी मेहमानों और जनसमूह ने इस सामाजिक और जन-जागरूकता वाली पहल का तालियों की गड़गड़ाहट (करतल ध्वनि) के साथ जोरदार स्वागत किया। सड़क हादसों को कम करने की दिशा में उठाया गया यह कदम निश्चित रूप से समाज के अन्य लोगों को भी प्रेरणा देगा।

# अतिक्रमण हटाने में बाधा डालने के आरोप में तीन गिरफ्तार

**राशमी।** थाना क्षेत्र के रेवाड़ा गांव में आबादी क्षेत्र की विवादित जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान बाधा उत्पन्न करने पर पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इन तीनों को शांति भंग की आशंका के चलते उपखंड मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया।

सहायक उप निरीक्षक गोपाल अहीर ने बताया कि रेवाड़ा में तहसीलदार के निर्देश पर आबादी की विवादित जमीन से अतिक्रमण हटाया जा रहा था। यह कार्रवाई सरकारी निर्देशों के तहत की जा रही थी। इसी दौरान माधवलाल पुत्र नाथु बैरवा, लक्ष्मण पुत्र नोला बैरवा और बालुराम पुत्र नोला बैरवा सभी निवासी रेवाड़ा मौके पर पहुंचे। उन्होंने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में बाधा डालना शुरू कर दिया।

आरोपियों ने दावा किया कि यह जमीन उनकी है और वे अतिक्रमण नहीं हटने देंगे। पुलिस ने मौके पर उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन आरोपी नहीं माने। स्थिति को देखते हुए और शांति भंग होने की आशंका के चलते पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

# अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद के स्थापना पखवाड़े पर सेवा कार्य, निर्जला ग्यारस पर ब्यावर में राहगीरों को पिलाया 'केरी-पानी'

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं हिंदू हेल्पलाइन के 9वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा पखवाड़े के तहत गुरुवार को चांग गेट स्थित कुमारानंद सर्किल पर राहगीरों एवं आमजन के लिए शीतल 'केरी-पानी' वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। भीषण गर्मी और निर्जला ग्यारस के पावन अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहरी व ग्रामीण क्षेत्र के लोगों ने केरी-पानी पीकर राहत महसूस की। हिंदू हेल्पलाइन के प्रांत अध्यक्ष मुकेश सोनी ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर

संपूर्ण भारतवर्ष में सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में ब्यावर इकाई द्वारा निरंतर सेवा गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी में जरूरतमंदों को राहत पहुंचाना और समाज में सकारात्मक संदेश देना है। आगामी दिनों में वृद्धाश्रम में भोजन सेवा, वृक्षारोपण और भजन संध्या जैसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

### प्रशासनिक अधिकारियों व गणमान्य लोगों ने लिया धर्म लाभ

कार्यक्रम संयोजक नगर महामंत्री मनीष व्यास के नेतृत्व में आयोजित इस सेवा कार्य में डीवाईएसपी (ष्ठङ्घस्क्क) राजेश कसाना, ट्रैफिक इंचार्ज मंगल सिंह, और ब्यावर जिला व्यापार संघ के अध्यक्ष संजय घीया सहित शहर के कई प्रबुद्ध नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने शिरकत कर धर्म लाभ लिया।

इस अवसर पर संगठन के नगर उपाध्यक्ष विक्रम रल, नगर मंत्री सत्यनारायण बालोदिया, संगठन मंत्री गौरव अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुनील पाड़लेचा, हनुमान चालीसा केंद्र प्रभारी ऋषिपाल सिंह सहित पारस पंच, सोहन मेवाड़ा, दिनेश शर्मा, चन्नू यादव, किशन हेडा, और एडवोकेट लक्ष्मी कांत व्यास सहित भारी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# निर्जला एकादशी पर नींबू पानी की लगाई छबील

स्मार्ट हलचल

**भैंसलाना।** कस्बे के युवाओं द्वारा निर्जला एकादशी पर मुख्य रोड़ पर राहगीरों एवं ग्रामीणों को नींबूपानी पिलाया गया।आयोजकों ने बताया कि सुबह 9 बजे शाम तक जयपुर रोड स्थित अंजनी मिष्ठान भंडार के पास ग्रामीणों सहित रोड से गुजरने वाले राहगीरों को नींबूपानी पिलाया गया।इस दौरान राहुल सैनी, विपिन योगी, रमेश गेट, अजय उज्ज्वल, भवरलाल कुमावत, मदनसिंह, राकेश सोनी, अशोक लड्डा, सत्यनारायण योगी आदि मौजूद रहे।

# निर्जला एकादशी पर उनियारा बस स्टैंड पर श्याम भक्तों ने बांटा शरबत, भीषण गर्मी में यात्रियों को मिली राहत

स्मार्ट हलचल

**नगर फोर्ट।** निर्जला एकादशी के पावन पर्व पर उनियारा कस्बे में सेवा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। श्याम बाबा के युवा भक्तों ने उनियारा रोडवेज बस स्टैंड पर शरबत वितरण का कार्यक्रम आयोजित कर राहगीरों और यात्रियों की प्यास बुझाई।

ज्येष्ठ माह की तपती दोपहरी और भीषण गर्मी के बीच बस स्टैंड पर इंतजार कर रहे यात्रियों के लिए ठंडा शरबत किसी अमृत से कम नहीं था। दिल्ली, जयपुर, कोटा समेत विभिन्न रूटों पर जाने वाली बसों के यात्रियों ने रुककर शरबत का आनंद लिया और श्याम भक्तों की इस पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। शरबत पीने के बाद यात्रियों के चेहरे पर आई मुस्कान ने आयोजन को सार्थक बना दिया।

श्याम भक्तों ने बताया कि निर्जला एकादशी पर जल सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य माना जाता है। इसी भाव

से प्रेरित होकर सभी कार्यकर्ताओं ने मिलकर यह सेवा कार्य किया। सुबह से शाम तक चले इस कार्यक्रम में सैकड़ों यात्रियों को शरबत पिलाया गया।इस सेवा कार्य में समाजसेवी उम्मेद सिंह चौहान, चेतन शर्मा, पिंटू साहू, हेमंत कुमार सैनी, अशोक कुमार सैनी, शंभू दयाल सेन, योगेश कुमार शर्मा, अभय सिंह शक्तावत, जयदीप सिंह, विक्रम सिंह, धनराज सैनी समेत दर्जनों श्याम भक्तों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि आगे भी ऐसे धार्मिक अवसरों पर जनसेवा के कार्य जारी रहेंगे।

# 23वें जाट समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन में 23 जोड़े बंधेंगे परिणय सूत्र में

स्मार्ट हलचल

**टोंक/डिग्गी।** जाट समाज सामूहिक विवाह आयोजित समिति, जिला टोंक द्वारा आयोजित 23वें जाट समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन का शुभारंभ गुरुवार को श्री गणेश पूजन एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ। सम्मेलन में 23 जोड़े विवाह बंधन में बंधकर अपने नए जीवन की शुरुआत करेंगे।

समिति के प्रवक्ता रामधन जावल्या ने बताया कि शुक्रवार, 26 जून को आयोजित मुख्य समारोह में नवदम्पतियों के लिए आशीर्वाद एवं भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम श्री श्री 1008 श्री धन्ना भगत पीठाधीश्वर श्री 108 श्री

बजरंग देवाचार्य जी महाराज के सान्निध्य में संपन्न होगा।कार्यक्रम की अध्यक्षता राजाराम मील, प्रदेशाध्यक्ष राजस्थान जाट महासभा करेंगे। मुख्य अतिथि के रूप में राजस्थान सरकार के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग मंत्री कन्हैयालाल चौधरी उपस्थित रहेंगे। वहीं राज्यसभा सांसद सतीश पूनियां, आदर्श जाट महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष भैरूराम डागर, किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक समारोह में शिरकत करेंगे।

### कार्यक्रम की रूपरेखा

निकासी : प्रातः 7:15 बजे, प्रतिभोज : प्रातः 9:00 बजे, तोरण : प्रातः 9:15 बजे, पाणिग्रहण संस्कार : प्रातः 11:15 बजे

आशीर्वाद समारोह : दोपहर 1:15 बजे।

### गणेश पूजन एवं ध्वजारोहण के साथ हुआ शुभारंभ

सम्मेलन का शुभारंभ समिति अध्यक्ष राजेश चौधरी तथा ऋषिलाल-अनिता चौधरी एवं मुकेश खादवाल-रामेश्वरी देवी चौधरी परिवार द्वारा विधि-विधान से गणेश पूजन एवं ध्वजारोहण कर किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पंडित भंवरलाल एवं राजाराम पारीक ने पूजा-अर्चना संपन्न कराई। इस अवसर पर संयोजक रामलाल बगड़िया, पूर्व अध्यक्ष छितरलाल ताकर, मंत्री रामकरण बुगालिया, पूर्व अध्यक्ष गिर्राज निठारवाल, पूर्व प्रवक्ता मुकेश खादवाल, ऋषिराज चौधरी, ऊमेद सिंह दगोलिया, किशनलाल लाम्बा, प्रहलाद दगोलिया, बद्रीलाल दगोलिया, हीरालाल बुगालिया, सत्यनारायण सरूड़िया, बजरंगलाल कुंडरवाल, रोशनलाल बगड़िया, गोपाल तेतरवाल, रामप्रसाद चौधरी, गिर्राज देगड़ा, विष्णु डिग्गी, रामनारायण सरूड़िया, सवाईराम रोलानिया, नंदलाल चांदड़िया सहित बड़ी संख्या में समाज बंधु उपस्थित रहे।समिति अध्यक्ष राजेश चौधरी ने समाज के सभी लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में पहुंचकर नवदम्पतियों को आशीर्वाद देने एवं सामाजिक एकता को मजबूत बनाने का आह्वान किया।

# कुशायता में ग्रामीण सेवा शिविर 2026 में मिला योजनाओं का लाभ

स्मार्ट हलचल

**सावर( अजमेर)।** ग्राम पंचायत कुशायता में जनकल्याण शिविर के अंतर्गत ग्रामीण सेवा शिविर 2026 का आयोजन किया गया। शिविर में अतिरिक्त जिला कलेक्टर एवं शिविर प्रभारी चंद्रशेखर भंडारी, कार्यवाहक उपखंड अधिकारी भगवती प्रसाद वैष्णव, विकास अधिकारी संगीता व्यास, चिरंजी लाल वर्मा, स्वच्छ भारत मिशन ब्लॉक कोऑर्डिनेटर प्रियंक दाधीच, प्रशासक रसाल देवी खारोल, उपखंड कार्यालय कार्मिक विनोद सेन, ग्राम विकास अधिकारी मनजीत सिंह चौधरी, कनिष्ठ सहायक इंदिरा एवं राकेश गुर्जर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिविर में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना तथा पात्र लोगों को योजनाओं का

लाभ दिलाना शिविर का मुख्य उद्देश्य है। शिविर में सैकड़ों ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ उठाया। कुल 22 विभागों ने अपने-अपने विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

शिविर के दौरान 20 पट्टों का वितरण किया गया तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत 17 व्यक्तिगत शौचालयों की स्वीकृति जारी की गई। प्रधानमंत्री आवास योजना के तीन लाभार्थियों को तृतीय किस्त का भुगतान किया गया। वहीं पांच पेंशनधारकों का सत्यापन, एक दिव्यांग स्कूटी आवेदन, 23 जनआधार संशोधन एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत चार नए बैंक खाते खोले गए।

महिला अधिकारिता विभाग द्वारा कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 26 बीमा पॉलिसियां जारी की गईं। कृषि विभाग ने 17 मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए तथा पांच किसानों को मूंग मिनी किट प्रदान की। चिकित्सा विभाग ने 97 तथा आयुर्वेद विभाग ने 63 रोगियों को चिकित्सा एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई।

इसके अलावा परिवहन विभाग द्वारा चार लाभार्थियों के स्मार्ट कार्ड पंजीकरण किए गए। राजस्व विभाग ने सात खातों का शुद्धिकरण, चार आपसी सहमति एवं बंटवारा प्रकरणों का निस्तारण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में 23 पंजीकरण, 13 नामांतरण प्रकरण, दो सीमा ज्ञान पत्थरगढ़ी प्रकरण तथा 48 जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्रों से संबंधित कार्य संपादित किए।

शिविर के समापन पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर चंद्रशेखर भंडारी ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए आमजन को अधिकाधिक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया।

# भीषण गर्मी में बिजली की आंख-मिचौली से परेशान चौरु के लोग-15 दिनों से जारी ट्रिपिंग और कटौती

स्मार्ट हलचल

**टोंक/अलीगढ़।** उनियारा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत चौरु मुख्यालय में पिछले करीब 15 दिनों से लगातार हो रही बिजली ट्रिपिंग और अघोषित कटौती से आमजन का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। उमस भरी भीषण गर्मी के बीच बार-बार बिजली गुल होने से ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों के अनुसार पंचायत के मौलवी नगर स्थित सरपंच निवास के पास लगे ट्रांसफॉर्मर में लगातार ट्रिपिंग होने के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो रही है।स्थिति यह है कि बिजली आने-जाने का कोई निश्चित

समय नहीं है। बीती रात भी कई बार बिजली सप्लाई ठप होने से लोगों की नींद खराब हो गई। गर्मी और उमस से राहत पाने के लिए कई परिवारों को रात छतों और आंगनों में बितानी पड़ी, लेकिन वहां भी उन्हें राहत नहीं मिल सकी। ग्रामीण ललित, विकास कुमार, धनराज, मनराज नागर, सिकंदर, संतोष, मंजू, हेमराज, कजोड़, बाबूलाल माली, मुकेश सैनी, धनराज चौधरी, मदन नायक और तुलसीराम सहित अन्य लोगों ने बताया कि बार-बार ट्रिपिंग और लो-वोल्टेज की समस्या के कारण टीवी, फ्रिज, कूलर और पंखों जैसे विद्युत उपकरणों के खराब होने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार विद्युत विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया है।उनका आरोप है कि कई बार स्थानीय स्तर पर चंदा एकत्र कर निजी इलेक्ट्रिशियन से तार जुड़वाकर अस्थायी समाधान करना पड़ता है, जबकि समस्या लंबे समय से बनी हुई है। जानकारी के अनुसार लगातार बिजली कटौती के कारण कई लोगों के इन्वर्टर भी जवाब दे चुके हैं। भीषण गर्मी और उमस के बीच बिजली संकट ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल है, वहीं बुजुर्ग और मरीज रातभर बेचैन रहने को मजबूर हैं। देर रात तक कई मोहल्लों में लोग घरों के बाहर बैठे नजर आए। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र की बिजली व्यवस्था लंबे समय से चरमराई हुई है, लेकिन विभाग की ओर से स्थायी समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। शिकायतों के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है।ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि भीषण गर्मी को देखते हुए ट्रांसफॉर्मर एवं विद्युत लाइनों की तकनीकी खामियों को शीघ्र दूर कर नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

# ब्यावर में मोहर्रम को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट, संवेदनशील इलाकों में रहेगी विशेष नजर

स्मार्ट हलचल

**ब्यावर।** मोहर्रम (ताजिया) पर्व के मद्देनजर ब्यावर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया है। जिले में कानून, सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट कमल राम मीना ने सभी उपखण्ड मजिस्ट्रेटों (स्ष्ठरूह्य) और संबंधित विभागों को कड़े निर्देश जारी किए हैं। प्रशासनिक आदेश के अनुसार, 25 जून की रात्रि से 26 जून 2026 की रात्रि तक मोहर्रम का पर्व मनाया जाएगा और इस दौरान जिले के विभिन्न मार्गों से पारंपरिक ताजियों के जुलूस निकाले जाएंगे। पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है।

### शांति समितियों की बैठक और पुलिस की पैनी नजर

जिला कलक्टर ने सभी उपखण्ड मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों, विभिन्न समुदायों के प्रतिनिधियों और पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करें। हर उपखण्ड में 'शांति समिति' की बैठक आयोजित कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की जाएगी।

वहीं, पुलिस विभाग को संवेदनशील और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त जाब्ता (पुलिस बल) तैनात करने तथा असामाजिक तत्वों एवं संदिग्ध गतिविधियों पर चौबीसों घंटे पैनी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जुलूस के रास्तों पर आमजन को कोई असुविधा न हो, इसके लिए विभिन्न विभागों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैंः यातायात व सफाईः जुलूस मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने, साफ-सफाई और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। पेयजल व बिजलीः जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग को शुद्ध पेयजल और विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। स्वास्थ्य सेवाएंः चिकित्सा विभाग को अलर्ट पर रखते हुए आवश्यक दवाइयों, मेडिकल टीमों और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

### अफवाहों से बचें, सोशल मीडिया पर न डालें भ्रामक पोस्टः जिला कलक्टर

जिला कलक्टर कमल राम मीना ने ब्यावर जिले की सामाजिक समरसता और सांप्रदायिक सौहार्द की गौरवशाली परंपरा का जिक्र करते हुए सभी जिलावासियों से आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की है। उन्होंने दो टूक कहा है कि लोग सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाह या भ्रामक सामग्री साझा न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की स्थिति में तुरंत पुलिस या प्रशासन को सूचित करें।,

# अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस पर निकाली जन जागरुकता रैली

**चित्तौड़गढ़।** अंतर्राष्ट्रीय नशा विरोधी दिवस के उपलक्ष में गुरुवार को सुख सेवा संस्थान के तत्वावधान में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, एंटी नारोटिक्स टॉस्क फॉर्स द्वारा जन जागरुकता रैली निकाली गई। इस अवसर पर गफ्फार पठान अध्यक्ष सुख सेवा संस्थान, जितेंद्र गढ़वाल उप निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, संदीप चौधरी एंटी नारोटिक्स टॉस्क फॉर्स आदि उपस्थित रहे। नशा विरोधी जागरूकता का संदेश देती रैली को शहर के विभिन्न मार्गों से निकाला गया, जिसमें सुख सेवा संस्थान नशा मुक्ति व पुनर्वास केंद्र के वाहन, नर्सिंग ट्रेनिंग स्टॉफ भी शामिल रहा। रैली के दौरान नशा विरोधी स्लोगन की तख्तियां और नारे का भी उद्घोष किया गया। इस मौके पर जिला कलक्टर ने कहा कि नशा इंसान के शरीर का ही नहीं बल्कि पूरे समाज व देश का दुश्मन है। इसलिए बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को रोकने के लिए हमें हर संभव प्रयास करने होंगे। संस्थान अध्यक्ष गफ्फार पठान ने कहा कि नशे की गिरफ्त में आकर व्यक्ति अपराध प्रवृति की ओर बढ़ता है,।

# खज्जियार पर्यटन स्थल को ऐसे ही नहीं कहा जाता है 'भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड'

**हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में स्थित खज्जियार एक छोटा लेकिन अत्यंत मनमोहक पर्यटन स्थल है, जिसे अक्सर भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड कहा जाता है। समुद्र तल से लगभग 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित यह स्थान देवदार और चीड़ के घने जंगलों, हरे-भरे घास के मैदानों और एक सुंदर झील के लिए प्रसिद्ध है। इसकी प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे पर्यटकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय बनाते हैं।**

### खज्जियार का सौंदर्य

खज्जियार एक गोलाकार हरे मैदान के रूप में फैला हुआ है, जिसके बीचों-बीच एक झील स्थित है। चारों ओर ऊँचे-ऊँचे पेड़ और दूर तक फैले पहाड़ इसकी शोभा को और भी बढ़ाते हैं। यहाँ का वातावरण इतना शांत और स्वच्छ होता है कि यहाँ आकर हर व्यक्ति खुद को प्रकृति के और करीब महसूस करता है।

### क्यों कहा जाता है ‘भारत का मिनी स्विट्ज़रलैंड’?

1992 में स्विट्ज़रलैंड के राजदूत विल्ली ब्लेज़र ने खज्जियार की प्राकृतिक समानता को देखते हुए इसे ‘मिनी स्विट्ज़रलैंड’ की उपाधि दी थी। उन्होंने यहाँ एक पत्थर भी स्थापित किया जो यह दर्शाता है कि खज्जियार स्विट्ज़रलैंड से कितनी दूरी पर स्थित है।

### खज्जियार में करने योग्य गतिविधियाँ

– प्राकृतिक दृश्यावली की फोटोग्राफी
– खुले मैदानों में पिकनिक और परिवार के साथ समय बिताना
– एडवेंचर खेलों का आनंद लेना
– मंदिरों और सांस्कृतिक स्थलों की यात्रा
– आसपास के ट्रेकिंग मार्गों की खोज

### यात्रा का सर्वोत्तम समय

मार्च से जून – गर्मियों में सुहावने मौसम और हरियाली का आनंद लेने के लिए।

सितंबर से नवंबर – साफ आसमान और शांत वातावरण के लिए।

दिसंबर से फरवरी – बर्फबारी देखने और ठंड का आनंद लेने वालों के लिए आदर्श समय।

### कैसे पहुँचे?

निकटतम शहर- डलहौज़ी (लगभग 22 किमी)

रेल मार्ग- पठानकोट रेलवे स्टेशन, जहाँ से टैक्सी या बस द्वारा खज्जियार पहुँचा जा सकता है।

हवाई मार्ग- निकटतम हवाई अड्डा गग्गल (कांगड़ा) है, जो लगभग 120 किमी दूर है।

सड़क मार्ग- डलहौज़ी, चंबा और धर्मशाला से बस और टैक्सी सेवाएं उपलब्ध हैं। खज्जियार उन यात्रियों के लिए स्वर्ग समान है जो प्रकृति की गोद में सुकून के पल बिताना चाहते हैं। यहाँ की शांत वादियाँ, हरे मैदान और पवित्र स्थल आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। चाहे आप फोटोग्राफी के शौकीन हों, रोमांच के प्रेमी हों या शांति की तलाश में हों — खज्जियार हर किसी के लिए एक आदर्श गंतव्य है।

## प्रमुख आकर्षण

### 1. खज्जियार झील

खज्जियार के केंद्र में स्थित यह छोटी सी झील यहाँ का प्रमुख आकर्षण है। झील के चारों ओर फैला मैदान पिकनिक, फोटोग्राफी और शांत समय बिताने के लिए आदर्श स्थान है।

### 2. खज्जी नाग मंदिर

यह प्राचीन मंदिर 12वीं शताब्दी में निर्मित हुआ था और भगवान खज्जी नाग को समर्पित है। यह मंदिर लकड़ी की नक्काशी और पौराणिक कथाओं से जुड़ी मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

### 3. एडवेंचर स्पोर्ट्स

खज्जियार में पैराग्लाइडिंग, ज़ोरबिंग , घुड़सवारी और ट्रेकिंग जैसी गतिविधियाँ भी की जा सकती हैं, जो रोमांच प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

### 4. खज्जियार वन्यजीव अभयारण्य

प्राकृतिक प्रेमियों के लिए यह अभयारण्य एक शांत और सुरम्य स्थल है जहाँ वन्य जीवों और पक्षियों को नजदीक से देखा जा सकता है।

# सिर्फ 15 मिनट में घर पर बनाएं स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर

अगर आपको चिली पनीर बहुत पसंद है और आप सोचते हैं कि इसे सिर्फ होटल या रेस्टोरेंट में ही खाया जा सकता है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है। आज हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सिर्फ 15 मिनट में स्ट्रीट स्टाइल चिली पनीर घर पर बना सकते हैं। यह रेसिपी झटपट बन जाती है और स्वाद में बिल्कुल बाजार जैसी लगती है।

### चिली पनीर बनाने के लिए सामग्री

पनीर – 200 ग्राम (क्यूब्स में कटा हुआ)
शिमला मिर्च – 1 (लंबी स्लाइस में कटी हुई, हरी/लाल/पीली कोई भी)
प्याज – 1 (पेटल्स में कटी हुई)
हरी मिर्च – 2 (लंबाई में कटी हुई)
लहसुन – 5–6 कलियां (बारीक कटा हुआ)
अदरक – 1 छोटा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ)
तले जाने के लिए
कॉर्नफ्लोर – 2 बड़े चम्मच

मैदा – 2 बड़े चम्मच
नमक – स्वाद अनुसार
काली मिर्च – ½ छोटा चम्मच
पानी – थोड़ा सा (घोल बनाने के लिए)
तेल – तलने के लिए
सॉस के लिए :
सोया सॉस – 1 बड़ा चम्मच
टमाटो सॉस – 2 बड़े चम्मच
रेड चिली सॉस – 1 बड़ा चम्मच
सिरका – 1 छोटा चम्मच
शक्कर – ½ छोटा चम्मच (वैकल्पिक)
नमक – स्वाद अनुसार
चिली पनीर बनाने की विधि

1. एक बाउल में कॉर्नफ्लोर, मैदा, नमक, और काली मिर्च डालें। थोड़ा पानी मिलाकर एक गाढ़ा घोल तैयार करें। पनीर क्यूब्स को इस घोल में अच्छे से डुबोएं।
2. कढ़ाई में तेल गरम करें और पनीर के टुकड़ों को सुनहरा होने तक तलें। फ्राई किए हुए पनीर को एक पेपर टॉवल पर निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए।
3. एक कढ़ाई में 1 बड़ा चम्मच तेल डालें। उसमें अदरक, लहसुन और हरी मिर्च डालें। 1 मिनट तक भूनें। अब प्याज और शिमला मिर्च डालें और तेज़ आंच पर 2–3 मिनट भूनें। (सब्जियां क्रंची रखें)
4. अब इसमें सोया सॉस, टमाटो सॉस, रेड चिली सॉस, सिरका और थोड़ी सी शक्कर डालें। स्वाद अनुसार नमक डालें और सब कुछ अच्छे से मिक्स करें। 2 चम्मच पानी मिलाएं ताकि हल्की ग्रेवी बने।
5. अब फ्राई किया हुआ पनीर इसमें डालें और अच्छे से मिक्स करें। 1–2 मिनट तक तेज आंच पर पकाएं ताकि सॉस अच्छे से पनीर पर कोट हो जाए। इस चिली पनीर को आप हॉट सर्व करें।

# हैदराबाद में बारिश के बाद इन जगहों को देखकर हो जाएंगे खुश, जन्नत में आने का होगा एहसास

अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

आजकल के सोशल मीडिया के दौर में लोगों को घूमने के साथ ही अच्छी-अच्छी वीडियो और तस्वीरें बनाने का शौक होता है। इसी वजह से लोग ऐसी जगहों की तलाश करते हैं, जहां का नजारा काफी अच्छा हो और वह उनकी वीडियो या तस्वीर में चार चांद लगा सकें। वहीं बारिश के बाद लोगों को घूमना अधिक पसंद होता है, क्योंकि इस दौरान मौसम ठंडा और सुकूनदायक हो जाता है। ऐसे में अगर आप हैदराबाद में हैं और बारिश के बाद घूमने के लिए किसी अच्छी जगह की तलाश कर रहे हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हैदराबाद की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बारिश के बाद काफी हसीन और खूबसूरत लगती हैं।

### गोलकोंडा किला

बारिश के बाद हैदराबाद की असली खूबसूरती को देखने के लिए आप गोलाकोंडा किला जा सकते हैं। यह हैदराबाद में पर्यटकों द्वारा सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली जगह है। यहां पर आपको हमेशा पर्यटकों की भीड़ देखने को मिलती है। लेकिन जब आप बारिश के समय यहां पर आएंगे, तो आपको ज्यादा लोग नहीं मिलेंगे। साथ ही आपको इस दौरान यहां पर खूबसूरत नजारों के साथ वीडियो बनाने के मौका मिलेगा। कपल्स और बच्चों के लिए भी यह एक अच्छी जगह है।

### हुसैन सागर झील

यहां का साफ मौसम पर्यटकों को हमेशा से अपनी ओर आकर्षित करता है। लेकिन बारिश के मौसम में यहां पर नजारा देखने लायक होता है। जब हुसैन सागर झील में जब पानी की बूंदे गिरती हैं, तो यह अधिक खूबसूरत लगता है। वहीं बारिश के बाद यहां का मौसम बहुत ठंडा हो जाता है। इसलिए अगर आप हैदराबाद घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो आपको हुसैन सागर झील को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए।

### मौला अली हिल

हैदराबाद में मौला अली हिल बारिश के मौसम में काफी खूबसूरत हो जाता है। यहां से आपको पूरे हैदराबाद का नजारा बेहद हसीन दिखता है। वहीं सबसे अच्छी बात यह है कि आपको यहां पर ज्यादा भीड़ नहीं मिलेगी।

# भारत की विरासत को करीब से देखने के लिए जरूर घूमें बिहार की ये जगहें, टूरिस्ट की नहीं मिलेगी भीड़

अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं।

जब भी भारत में विरासत की बात की जाती है, तो सबसे पहले राजस्थान के किले और दिल्ली के फेमस स्मारकों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है। लेकिन इन सबके बीच बिहार लोगों के दिमाग से निकल जाता है। अगर आप भी भारत की विरासत को देखने और जानने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको बिहार जरूर घूमना चाहिए। बिहार की प्राचीन भूमि सिर्फ साम्राज्यों और ज्ञानोदय की जन्मस्थली नहीं, बल्कि आपको यहां पर ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो सदियों से स्थापित हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बिहार के उन विरासत स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनके बारे में काफी कम लोग जानते हैं।

### तेलहरा

तेलहरा बिहार में नालंदा जिले के एकंगरसराय प्रखंड का गांव है। यह प्राचीन भारत में एक बौद्ध मठ का स्थल हुआ करता था, जोकि पहली शताब्दी ईस्वी पूर्व का है। लेकिन इस जगह के बारे में भी बहुत कम लोगों को जानकारी है। भारत के इतिहास से जुड़ी कई चीजों को खोजने के लिए इस स्थान पर खुदाई चल रही है, ऐसे में आप भी यहां पर जा सकते हैं। इसके साथ ही बौद्ध मठ स्थल जाना न भूलें। यहां पर ध्यान कक्ष और प्रार्थना कक्ष में आपको काफी शांति मिलेगी।

### रोहतासगढ़ किला

रोहतास जिले में एक पहाड़ी की चोटी पर रोहतासगढ़ किला स्थित है। यह किला काफी प्राचीन है, जिस कारण इसको भूतिया भी कहा जाता है। रोहतासगढ़ किले का निर्माण शेरशाह शूरी ने कराया था। यह बेहद विशाल किला है और रहस्यमय चीजों से भरा हुआ है। हालांकि इस किले तक पहुंचने के लिए आपको थोड़ी मेहनत जरूर करनी पड़ेगी। इस किले तक पहुंचने वाली चढ़ाई आपको थका देगी। जिन लोगों को घूमने-फिरने और एडवेंचर का शौक है, उनके लिए यह जगह परफेक्ट है। आपको यहां पर अकेले जाने की सलाह नहीं दी जाती है, क्योंकि स्थानीय लोग यहां पर भूत-प्रेत होने का दावा करते हैं।

### केसरिया स्तूप

बिहार में मौजूद केसरिया स्तूप के बारे में काफी कम लोग जानते हैं। यह स्तूप 10 मंजिला अपार्टमेंट बिल्डिंग से भी ज्यादा ऊंचा है। 104 फीट ऊंचे इस स्तूप को दुनिया के सबसे बड़े बौद्ध स्तूपों में से एक है। अगर आप भारत के विरासत स्थलों को देखने में दिलचस्पी रखते हैं, तो आपको यहां पर जरूर आना चाहिए। यहां पर आपको भीड़ भी नहीं मिलेगी, लेकिन आपको यहां पर गहरी आध्यात्मिक शांति जरूर मिलेगी, जोकि अन्य फेमस स्थानों पर नहीं मिल सकती है।

### विक्रमशिला

बता दें कि विक्रमशिला महाविहार भारत का एक फेमस शिक्षा-केंद्र था। यह प्राचीन भारत के शीर्ष बौद्ध विश्वविद्यालयों में से एक था। हालांकि अब यह विश्वविद्यालय सिर्फ एक खंडहर के रूप में दिखाई देता है। वहीं कुछ समय पहले पीएम मोदी ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय के उद्धार की बात की थी। ऐसे में अगर आप प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालय देखने के इच्छुक हैं, तो आप यहां पर आ सकते हैं।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com